RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com

RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com

Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 178 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 19 जून, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकती : प्रधानमंत्री

ऐतिहासिक नालंदा यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का किया उद्घाटन

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार के राजगीर में ऐतिहासिक नालंदा यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का उद्घाटन किया। सुबह के समय नालंदा यूनिवर्सिटी पहुंचे पीएम मोदी ने पहले विश्वविद्यालय की पुरानी धरोहर को करीब से देखा। इसके बाद वह यहां से नए कैंपस में पहुंचे, जहां उन्होंने बौधि वृक्ष लगाया और फिर नए कैंपस का उद्घायन किया।

उद्घाटन के अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि नालंदा से सिर्फ भारत की ही नहीं, बल्कि विश्व के कई देशों की विरासत जुड़ी हुई है. मुझे तीसरे कार्यकाल की शपथ ग्रहण करने के बाद पहले 10 दिनों में ही नालंदा आने का अवसर मिला है। ये मेरा सौभाग्य तो है। साथ ही मैं इसे भारत की विकास यात्रा के एक शुभ संकेत के रूप में देखता हूं।

उन्होंने आगे कहा कि नालंदा केवल भारत के ही अतीत का पुनर्जागरण नहीं है। इसमें विश्व के, एशिया के कितने ही देशों की विरासत जुड़ी हुई है. नालंदा यूनिवर्सिटी के पुनर्निर्माण में हमारे साथी देशों की भागीदारी भी रही है। मैं इस अवसर पर भारत के सभी मित्र देशों का अभिनंदन करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राचीन नालंदा में बच्चों का दाखिला उनकी पहचान, उनकी राष्ट्रीयता देखकर नहीं होता था। हर देश, हर वर्ग के युवा यहां आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय के इस नए कैंपस में हमें उसी प्राचीन व्यवस्था को फिर से मजबूती देनी है। दुनिया के कई देशों से यहां छात्र आने लगे हैं। यहां नालंदा में 20 से ज्यादा देशों के छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। ये वसुधैव कुटुंबकम की भावना का कितना सुंदर प्रतीक है।

पीएम मोदी ने कहा कि नालंदा एक पहचान है, एक सम्मान है. नालंदा एक मूल्य है, मंत्र है, गौरव है, गाथा है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

बख्तियार खिलजी ने लगवा दी थी आग

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 19 जून को राजगीर स्थित नालंदा यूनिवर्सिटी के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया है। नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना 450 ई. में गुप्त सम्राट कुमार गुप्त प्रथम ने की थी। बाद में इसे हर्षवर्धन और पाल शासकों का भी संरक्षण मिला। विशेषज्ञों के अनुसार, 12वीं शताब्दी में आक्रमणकारियों ने इस विश्वविद्यालयों को नष्ट कर दिया था। इससे पहले करीबन 800 सालों तक इन प्राचीन विद्यालय में पढ़ाई हुई है। पटना से 90 किलोमीटर और बिहार शरीफ से करीब 12 किलोमीटर दूर दक्षिण में आज भी इस विश्व प्रसिद्ध प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय के खंडहर स्थित हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय विश्व का पहला आवासीय विश्वविद्यालय था. दुनियाभर के छात्र यहां शिक्षा लेने आया करते थे। इसलिए इसमें 300 से ज्यादा कमरे थे, सात बड़े-बड़े हॉल थे और इसकी लाइब्रेरी नौ मंजिला हुआ करती थी, जिसका नाम धर्मगूंज था। तुर्की के मुस्लिम शासक बख्तियार खिलजी ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

पीएम ने देर रात किया स्टेडियम का निरीक्षण

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर थे। पीएम मोदी वाराणसी में किसान संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने के पश्चात मां गंगा की आरती में शामिल हुए, तो वहीं बाबा श्री काशी विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया। वही देर रात बाबा श्री काशी विश्वनाथ का दर्शन के पश्चात पीएम नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ वाराणसी में निर्मित हो रहे इनडोर स्टेडियम का औचक निरीक्षण के लिए पहुंच गए। वहां इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने बरेका गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम किया।

वाराणसी के डॉ. सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम (शेष पृष्ठ-3 पर)

कमरे में मिला पिता-पुत्र का शव, रात में हुआ था झगड़ा

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद के अंकुर विहार थाना क्षेत्र में एक घर में पिता-पुत्र के शव मिलने से सनसनी फैल गई। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र के विजय विहार बुद्ध नगर कॉलोनी में बुधवार सुबह कमरे के अंदर पिता पुत्र का शव मिला। परिजनों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। रात के समय नशे की हालत में बेटा अपने पिता के साथ गाली गलौज कर रहा था। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर हत्या और खुद की मौत के एंगल पर जांच शुरू कर दी है। पिता सांस की बीमारी से ग्रस्त था और बेटे को मिर्गी के दौरे पढ़ते थे।

गाजियाबाद पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बुध नगर कॉलोनी में ओम प्रकाश (60) परिवार के साथ रहते थे। उन्हें सांस की बीमारी थी। परिवार में दो बेटे राजू और बंटी हैं। दो बेटियों की शादी कर दी है। बंटी अपनी पत्नी और तीन बेटियों के साथ मकान के नीचे वाले फ्लोर पर रहते हैं। राजू (30) अपने पिता के साथ ऊपर के कमरे में रहता था। बंटी की पत्नी ने बताया कि राजू शराब पीने का आदी था। मंगलवार रात वह शराब पीकर घर आया था। शराब के नशे में वह अपने पिता के साथ गाली गलौज करता (शेष पृष्ठ-3 पर)

12 साल बाद सबसे गर्म रात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में लोगों ने 12 साल बाद मंगलवार को सबसे गर्म रात गुजारी। रात में दिल्ली-एनसीआर में तापमान 33.08 डिग्री दर्ज किया गया। दिल्ली-एनसीआर में प्रचंड गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी है। लू के थपेड़ों से अभी कम से कम 10 दिन तक किसी बड़ी राहत की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार 27-28 जून के आसपास मानसून पहुंचने के बाद ही राहत मिल सकती है। हालांकि, इस दौरान एक-दो दिन बारिश हो सकती है, पर इससे भीषण गर्मी से तात्कालिक राहत ही मिलेगी।

लखनऊ में मस्जिद, मदरसा व मंदिर पर चला 'बाबा का बुल्डोजर'

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा कुकरैल नदी के किनारे अवैध रूप से बनाए गए अतिक्रमण को तोड़ने का अभियान पिछले कई दिनों से चल रहा है। यूपी की राजधानी लखनऊ के अकबर नगर में देर रात अवैध तरीके से बनी मस्जिद, मदरसे और मंदिर पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इसमें दो मस्जिद और एक मदरसा शामिल था. इससे पहले मंदिर पर भी कार्रवाई की जा चुकी है। प्रशासन ने देर रात मस्जिद और मदरसे को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया।

इस दौरान महानगर के इलाके में चप्पे-चप्पे पर चेक पोस्ट लगाकर उन सभी रास्तों को बंद कर दिया गया, जहां से कोई भी अकबरनगर तक जा सके। प्रशासन का कहना है कि कुकरैल नदी (शेष पृष्ठ-3 पर)

भूलेख विभाग के लेखपाल पर लटकी कार्रवाई की तलवार!

सोहरखा में अवैध अतिक्रमण को बचाने का प्रयास कर रहा था, सीईओ के पास मामला पहुंचा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के भूलेख विभाग में तैनात लेखपाल द्वारा भू-माफियाओं से सांठगांठ कर करोड़ों रूपये की जमीन को तोड़फोड़ से बचाने का मामला प्रकाश में आया है। शीर्ष अधिकारियों ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम को समूचे प्रकरण से अवगत करा दिया है। इस मामले में लेखपाल पर कड़ी कार्रवाई की तलवार लटक रही है।

सोहरखा गांव में तोड़-फोड़ कार्रवाई के दौरान सामने आया कि नोएडा प्राधिकरण में भूलेख विभाग में तैनात लेखपाल प्रवेश कुमार दीक्षित अतिक्रमणकारियों को संरक्षण देने का प्रयास कर रहे थे। उसने भरसक प्रयास किया कि तोड़फोड़ की कार्रवाई न हो। लेखपाल ने मौके पर खसरा नंबर 388 व 390 को लेकर शीर्ष अधिकारियों को भ्रमित भी किया, लेकिन वर्क सर्किल छह के वरिष्ठ प्रबंधक केबी सिंह ने भूलेख विभाग ओएसडी क्रांति शेखर सिंह से बातचीत की और प्राधिकरण की भूमि पर अवैध (शेष पृष्ठ-3 पर)

अब डार्क स्पॉट में सड़क हादसों पर लगेंगे ब्रेक!

5.35 करोड़ की लागत से सुधार करेगा नोएडा प्राधिकरण

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में दुर्घटना आशंकित क्षेत्र यानी 'डार्क स्पॉट' इलाके में अब हादसों पर ब्रेक लगेंगे। नोएडा प्राधिकरण ने इन सभी डार्क स्पॉट को समाप्त करने की योजना बनाई है। इसके लिए टेंडर जारी किए जाएंगे। इस पर करीब 5.35 करोड़ रूपये का खर्च आएगा।

जिन डार्क स्पॉट को नोएडा प्राधिकरण ने खत्म करने का बीड़ा उठाया है। उस में फेज-1 में स्थित सेक्टर-21-25, रजनीगंधा, महामाया, सेक्टर-37 तथा जीआईपी सेक्टर-18, फेज-2 के तहत हाजीपुर, सेक्टर-93ए, सेक्टर-110, मामूरा चौक, एबी सीडी चौक तथा फेज-3 के तहत चिल्ला बॉर्डर, डीएनडी फ्लाईवे, फूल मंडी, नगला गांव तथा सेक्टर-63ए ब्लॉक शामिल हैं।

दरअसल नोएडा यातायात पुलिस ने इसी वर्ष फरवरी माह में 15 डार्क स्पॉट चिन्हित करके उनकी रिपोर्ट नोएडा प्राधिकरण के ट्रैफिक सेल विभाग को सौंपी थी। यातायात पुलिस ने इन स्थानों पर निर्माण खामियों को दुरूस्त करने की सलाह भी है ताकि (शेष पृष्ठ-3 पर)

2000 पौधे लगाएगा सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए

उद्यान विभाग के अफसरों को गिनाई 10 प्रमुख समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए अपने क्षेत्र में 2000 पौधे लगाएगा। आरडब्ल्यूए को यह जिम्मेदारी नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग के निदेशक ने सौंपी है।

सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए महासचिव संजीव कुमार ने बताया कि दरअसल आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर उद्यान विभाग के शीर्ष अधिकारियों संग बैठक की। जिसमें आरडब्ल्यूए ने उद्यान विभाग के निदेशक (शेष पृष्ठ-3 पर)

किसानों की समस्याओं के लिए प्रदेश सरकार गंभीर

हर माह के तीसरे बुधवार को आयोजित होगा किसान दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। किसानों की समस्या की गंभीरता के मददेनजर अब हर माह उनकी समस्या के समाधान के लिए किसान दिवस का आयोजन होगा। अब हर माह के तीसरे बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस आयोजित होगा। इसी माह से इसका शुभारंभ हो गया है।

जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जनपद के समस्त कृषकों को बताया कि किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए माह जून 2024 से माह मार्च 2025 तक प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को प्रात: 11 बजे से विकास भवन स्थित सभागार कक्ष में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने यह भी बताया कि उक्त तृतीय बुधवार को सार्वजनिक अवकाश की स्थिति में आगामी कार्यदिवस को किसान दिवस का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने सभी जनपदीय (शेष पृष्ठ-3 पर)

जिला बंधु समिति की बैठक 26 को

नोएडा (चेतना मंच)। जिला सैनिक बंधु समिति की बैठक 26 जून को कलेक्ट्रेट सभागार में होगी। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी गौतमबुद्धनगर कर्नल कपिल कत्याल(अ0प्रा0) ने भूतपूर्व सैनिकों को जानकारी दी है कि जिला अधिकारी गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए आगामी 26 जून को दोपहर 12:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार सूरजपुर में जिला सैनिक बंधु समिति की बैठक आहूत की जाएगी।

कार व्यापारी की हत्या की सुपारी देने वाले काले की मौत

गाजियाबाद (ब्यूरो)। गाजियाबाद के बहु चर्चित कार व्यापारी रोहित ओबेरॉय की हत्या की सुपारी मामले में जेल में बंद आरोपी

की सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। डासना जेल में बंद आरोपी को 15 जून को तबीयत खराब होने के बाद गाजियाबाद के संयुक्त जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था जहां उसका इलाज चल रहा था। आपको बता दें कि वर्ष- 2022 में गाजियाबाद के कार व्यापारी रोहित ओबरॉय उर्फ राजा भैया की हत्या की सुपारी देने के मामले में संपूर्णानंद उर्फ काले अनेजा को गाजियाबाद पुलिस ने पकड़ा था।

कैलाश अस्पताल समूह की निदेशक को 'इमरजिंग ग्रुप हेल्थकेयर लीडर एवार्ड'

नोएडा (चेतना मंच)। कैलाश अस्पताल समूह की निदेशक डा. रितु वोहरा की इमरजिंग ग्रुप हेल्थकेयर लीडर एवार्ड से नवाजा गया है। यह एवार्ड 7 जून को आयोजित एलेटस हेल्थकेयर इनोवेशन समिट एंड एवार्ड समारोह में प्रदान किया गया। यह एवार्ड मिलने पर कैलाश अस्पताल समूह के प्रबंध निदेशक तथा सांसद डा. महेश शर्मा ने (शेष पृष्ठ-3 पर)

जनादेश से खिलवाड़

जिस प्रदेश में बार-बार उपचुनाव होने लगें और जहां विधानसभा की सदस्यता अदालत से विधानसभा अध्यक्ष की कचहरी तक नाच करे, वहां सामान्य परिस्थितियां नहीं हैं। हिमाचल अब तक अपनी सियासत की मजबूती, सहनशीलता, जवाबदेही, वचनबद्धता तथा दलगत संस्कृति के उच्च आयाम स्थापित करता रहा है, लेकिन अब जुबान, जिरह और जमीन बदल रही है। विधानसभा बार-बार बंट रही है और जनादेश भी सियासी बही खाते की अपंगता में शरीक हो रहा है। आप ऐसे तो न थे, आप यह कैसे हो गए, यह हिमाचल का मतदाता पूछ रहा है। वह कब तक सियासी जोर आजमाइश का मोहरा बना रहेगा। मात्र 68 सदस्यीय विधानसभा से नौ विधायकों की सदस्यता का खारिज होना, न प्रेरक है और न ही पूरक, बल्कि यह अस्थिरता रोग की निशानी दे गया। अब पुन: यही दस्तूर निर्दलीय विधायकों के कारण उपचुनाव की धौंकनी से अस्थिरता के अंगारों को हवा देगा। ये तमाम उपचुनाव दो पार्टियों के बीच का फासला नहीं, बल्कि सियासत का तियापांचा है जो सिर्फ अहंकार और स्वार्थ की मिट्टी से खेल रहा है। जब टुकड़े बंटने लगते हैं, तो क्या छोटा और क्या बड़ा, यहां सारा तमाशा, घात-प्रतिघात का है। कौन नेता, किसकी मुहर और किसकी बिकवाली से किसकी खता, सभी इस हमाम में नंगे हैं। लोगबाग पार्टियां बदल रहे हैं, क्योंकि पार्टियों में कब्जाधारी बदल रहे हैं। हिमाचल में सत्ता के जनक अपनी फौज और अपने युद्ध के मोर्चे तय कर रहे हैं। चुनावी राजनीति के फलक को तिरोहित करके जब सत्ता के लाभार्थी किसी भी गली-कूचे से सीधे सरकार के अलंकार बन जाएं, तो ये सीढियां भी खेल तमाशा है। सियासत अब अनूठी कचहरी की तरह हमारे सामने सरकारें और सरकारों के तख्त परोसने लगी है। यहां जीत के प्रमाण से कहीं अधिक हार के तर्क हैं और इसलिए शक्तिशाली को हार कर भी जीत का ढिंढोरा पीट दे। चार लोकसभा की सीटों से कहीं अधिक जोश उस जीत का है जो कांग्रेस के कुल छह विधायक गंवा कर चार नए चेहरे हासिल करने से पैदा हुआ। अब पुन: तीन उपचुनाव किसी के लिए बरसात-किसी के लिए सौगात, लेकिन इसके पीछे के हालात राजनीति में अस्थिरता का माहौल ही तो पैदा कर रहे हैं। अस्थिर राजनीति की परेशानी में जनता यह कैसे तय करे कि वह किसी को जीत दिला कर हार जाएगी या हरा कर परास्त होगी। क्या फर्क पड़ता कि कल के निर्दलीय आज के भाजपाई होकर चुनाव का शंखनाद करें या टोह लेती कांग्रेस कहीं आगे निकलकर भाजपा के किसी विक्षुब्ध नेता को हथिया ले। यही परिस्थितियां अचानक कुछ गुमशुदा नेताओं को सामने ले आती हैं, जबकि आम कार्यकर्ता चुनाव के मूड को पढ़ते-पढ़ते अपने मूड को कुर्बान कर देता है। देहरा उपचुनाव की बाहों में हथियार बना पहले ही निर्दलीय होशियार सिंह की संगत में भाजपा को देख रहा है, जबकि रमेश धवाला का पारा इतिहास की गवाही में सियासत को कसूरवार बना रहा है। कुछ बयान फरमाइश करते हुए या कांग्रेस के खालीपन को साधते हुए रमेश धवाला के आए, तो भाजपा के हाकिम उनका नाड़ी परीक्षण करने जुट गए। अब ज्वालाजी-ज्वालाजी रहेगी या ज्वालाजी से निकलकर कोई ज्वाला देहरा पहुंच जाएगी। विपिन सिंह परमार की मान मनोव्वल में दिल पिघल जाए तो भी गनीमत है वरना एक उपचुनाव की हस्ती में कई कुरुक्षेत्र हो जाएंगे। जरा सोचें जीवित नेताओं के स्वाभिमान के कारण बढ़ते उपचुनाव, हिमाचल की हस्ती में कितने विराम और कितने अनिश्चय लेकर आ रहे हैं। उपचुनावों के नाखून गंजे लोकतंत्र को लहूलुहान करके हमारे भविष्य को अस्थिर ही करेंगे, जबकि सुरक्षा कवच पहनकर भी सत्ता और विपक्ष, निहायत कमजोर और अमर्यादित होकर सिर्फ लुकाछिपी करते रहेंगे।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जो श्री रामजी के भक्त कहलाकर लोगों को ठगते हैं, जो धन (लोभ), क्रोध और काम के गुलाम हैं और जो धींगाधींगी करने वाले, धर्मध्वजी (धर्म की झूठी ध्वजा फहराने वाले दम्भी) और कपट के धन्धों का बोझ ढोने वाले हैं, संसार के ऐसे लोगों में सबसे पहले मेरी गिनती है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जौं अपने अवगुन सब कहऊँ। बाढ़इ कथा पार नहिं लहऊँ ॥
ताते मैं अति अलप बखाने। थोरे महुँ जानिहहिं सयाने ॥
यदि मैं अपने सब अवगुणों को कहने लगूँ तो कथा बहुत बढ़ जाएगी और मैं पार नहीं पाऊँगा। इससे मैंने बहुत कम अवगुणों का वर्णन किया है। बुद्धिमान लोग थोड़े ही में समझ लेंगे॥
समुझि बिबिधि बिधि बिनती मोरी। कोउ न कथा सुनि देइहि खोरी॥
एतेहु पर करिहहिं जे असंका। मोहि ते अधिक ते जड़ मति रंका॥
मेरी अनेकों प्रकार की विनती को समझकर, कोई भी इस कथा को सुनकर दोष नहीं देगा। इतने पर भी जो शंका करेंगे, वे तो मुझसे भी अधिक मूर्ख और बुद्धि के कंगाल हैं॥
कबि न होउँ नहिं चतुर कहावउँ। मति अनुरूप राम गुन गावउँ॥
कहँ रघुपति के चरित अपारा। कहँ मति मोरि निरत संसारा॥
मैं न तो कवि हूँ, न चतुर कहलाता हूँ, अपनी बुद्धि के अनुसार श्री रामजी के गुण गाता हूँ। कहाँ तो श्री रघुनाथजी के अपार चरित्र, कहाँ संसार में आसक्त मेरी बुद्धि !॥

(क्रमश:...)

मोदी परिवारवाद का विरोध करते रहे मगर जनता ने परिवारवादी दलों की ताकत में इजाफा कर दिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनावों के दौरान परिवारवाद का विरोध करते रहे लेकिन जनता ने विपक्ष को इतनी ताकत दे दी कि सभी परिवारवादी दल चुनाव भी जीते और अब अपने राजनीतिक परिवारवाद को और आगे बढ़ाने लग गये हैं। इसी कड़ी में गांधी परिवार ने राजनीतिक परिवारवाद को आगे बढ़ाते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा को भी चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया है। वर्ष 2019 में सक्रिय राजनीति में आने के बाद से प्रियंका गांधी वाड्रा के कभी अमेठी, तो कभी रायबरेली और यहां तक की वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने को लेकर समय-समय पर अटकलें लगाई जाती रहीं, लेकिन कांग्रेस के उन्हें वायनाड सीट से उपचुनाव में मैदान में उतारने की घोषणा के बाद अब इन पर विराम लग गया है। हम आपको बता दें कि कांग्रेस ने सोमवार को फैसला किया कि राहुल गांधी रायबरेली के सांसद बने रहेंगे और वायनाड सीट से इस्तीफा देंगे। राहुल ने 2019 में वायनाड से पहली बार आसानी से जीत हासिल की थी, जब उन्हें परिवार के गढ़ अमेठी में हार का सामना करना पड़ा था। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में राहुल ने फिर से वायनाड से चुनाव लड़ा, लेकिन अमेठी छोड़कर रायबरेली चले गए। हालिया आम चुनाव में, राहुल गांधी ने वायनाड में 64.7 प्रतिशत वोट हासिल करके अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की एनी राजा को 3.64 लाख मतों के अंतर से हराया था। भाजपा उम्मीदवार के. सुरेंद्रन 1.3 लाख वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे।

जहां तक प्रियंका की बात है तो अमेठी, रायबरेली और वाराणसी संसदीय सीट से उम्मीदवारी की चर्चा के बाद 52 वर्षीय प्रियंका अंतत: केरल के वायनाड से चुनावी राजनीति में पदार्पण करेंगी। उल्लेखनीय है कि केरल एक ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस ने 2019 के साथ-साथ 2024 के लोकसभा चुनावों में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। प्रियंका गांधी ने सोमवार को (वायनाड से) अपनी उम्मीदवारी की घोषणा के बाद कहा, मुझे जरा भी घबराहट नहीं है... मैं बहुत खुश हूं कि मुझे वायनाड का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि मैं उन्हें (वायनाड की जनता) उनकी (राहुल की) अनुपस्थिति महसूस नहीं होने दूंगी... मेरा रायबरेली से अच्छा नाता है, क्योंकि मैंने वहां 20 साल तक काम किया है और यह रिश्ता कभी नहीं टूटेगा।

हम आपको बता दें कि सक्रिय राजनीति में आने के बाद जनवरी 2019 में उन्हें महत्वपूर्ण पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रभारी महासचिव बनाया गया और फिर पूरे राज्य का प्रभारी महासचिव बनाया गया। हालांकि 2019 के चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन प्रियंका ने जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के अपने प्रयास जारी रखे। दिसंबर 2023 में, प्रियंका को ''बिना पोर्टफोलियो'' के महासचिव बनाया गया और वह कांग्रेस की प्रमुख रणनीतिकार और बाद में 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी की स्टार प्रचारक के रूप में उभरीं। उन्होंने संगठन को मजबूत करने में भी मदद की और हिमाचल प्रदेश में पार्टी के प्रचार अभियान का नेतृत्व किया और राज्य में पार्टी को सत्ता में लाने में मदद की। उनके प्रचार अभियान ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीट जीतने में मदद की। वहीं, 2019 में यह आंकड़ा 52 था।

हम आपको बता दें कि प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा ने हालिया लोकसभा चुनाव से पहले अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा कई बार जतायी थी। लेकिन सीट से परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा को मैदान में उतारा गया, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता स्मृति ईरानी को हराया। यदि प्रियंका गांधी लोकसभा उपचुनाव जीत जाती हैं, तो यह पहली बार होगा कि सोनिया, राहुल और प्रियंका तीनों एक साथ संसद में होंगे। सोनिया गांधी फिलहाल राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं। देखा जाये तो लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के आश्चर्यजनक रूप से अच्छे प्रदर्शन के साथ, प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी के एक करिश्माई नेता के रूप में अपनी स्थिति भी मजबूत कर ली है।

राजनीतिक विश्लेषकों की राय

प्रियंका गांधी वाड्रा के चुनावी राजनीति में पदार्पण पर राजनीतिक विश्लेषकों की राय की बात करें तो आपको बता दें कि ''24 अकबर रोड: ए शॉर्ट हिस्ट्री ऑफ द पीपल बिहाइंड द फॉल एंड राइज ऑफ द कांग्रेस'' सहित कई किताबें लिखने वाले रशीद किदवई ने कहा, यह आभास देते थे कि यह कोई ऐसा व्यक्ति है, जिसे वे जानते हैं, कोई ऐसा है, जो उनके साथ अपनी भावनाओं और विचारों को साझा कर रहा है। देश भर

अमेठी, रायबरेली और वाराणसी संसदीय सीट से उम्मीदवारी की चर्चा के बाद 52 वर्षीय प्रियंका अंततः केरल के वायनाड से चुनावी राजनीति में पदार्पण करेंगी। केरल एक ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस ने 2019 के साथ-साथ 2024 के लोकसभा चुनावों में भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

''कांग्रेस लंबे समय से एक प्रभावी प्रचारक की तलाश में थी और 2024 के चुनाव में प्रियंका गांधी ने जिस तरह से मोदी को जवाब दिया है, उससे वह बड़े विकल्प के तौर पर उभरी हैं। प्रियंका गांधी ने दिखाया कि मोदी का मुकाबला किया जा सकता है और उन्होंने पूरे भारत में कांग्रेस के लिये चुनाव प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इसके अलावा, राजनीतिक टिप्पणीकार और कांग्रेस के पूर्व नेता संजय झा ने प्रियंका गांधी को शानदार प्रचारक बताया। उन्होंने कहा, मोदी के कटाक्षों का तीखा और त्वरित जवाब देकर उन्होंने प्रचार के दौरान कमाल कर दिया। उनकी मौजूदगी जादुई रही है।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन ने 543 में से 234 सीट जीतीं, जबकि 99 सीट जीतकर कांग्रेस विपक्षी गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। कांग्रेस चुनाव अभियान में जोरदार वापसी करती दिखी और प्रियंका ने मोदी और भाजपा के अन्य नेताओं के लगातार हमलों का मुकाबला करने में अहम भूमिका निभायी। प्रधानमंत्री मोदी के सोने और मंगलसूत्र वाले बयान पर पलटवार करते हुए भावुक प्रियंका ने मतदाताओं को याद दिलाया था कि उनकी मां सोनिया गांधी ने देश के लिए अपना मंगलसूत्र बलिदान कर दिया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने 2014 और 2019 के चुनावों की तुलना में, हालिया लोकसभा चुनाव में पार्टी को संसद में मजबूत स्थिति में पहुंचाने के बाद वायनाड से उपचुनाव लड़ने का फैसला किया है।

चुनाव में दिखा था प्रियंका का करिश्मा

हम आपको याद दिला दें कि हालिया लोकसभा चुनाव में, अपने बचपन, पिता राजीव गांधी की हत्या के दर्द और मां के दुख पर चर्चा करते हुए उन्होंने कांग्रेस के अभियान की कमान संभाली, पारिवारिक संबंधों और राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा के बीच कुशलता से संतुलन बनाए रखा और एक रणनीतिकार, वक्ता और भीड़ को आकर्षित करने वाली नेता साबित हुईं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में 108 जनसभाएं और रोडशो किये। उन्होंने 16 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में प्रचार किया और अमेठी और रायबरेली में कार्यकर्ताओं के दो सम्मेलनों को भी संबोधित किया। उनके अधिकांश भाषण भीड़ से संवाद करने जैसे थे, जो लोगों से जुड़ाव स्थापित करते थे और लोगों को में उनके चुनावी भाषणों में जवाबदेही का लगातार उल्लेख हुआ। प्रियंका ने लोगों से धर्म और जाति के आधार पर भावनात्मक मुद्दों पर वोट न करने और अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए रोटी-रोज़ी के मुद्दों पर वोट करने की अपील की।

राजनीतिक प्रतिक्रियाएं

जहां तक प्रियंका के वायनाड से चुनाव लड़ने के मुद्दे पर आ रही राजनीतिक प्रतिक्रियाओं की बात है तो आपको बता दें कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की नेता एनी राजा ने कहा है कि देश की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में यह आवश्यक था। उन्होंने कहा, ''मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में राहुल गांधी जैसे प्रमुख नेता के लिए हिंदी पट्टी में काम करना जरूरी है। इसलिए, इस फैसले में कुछ भी गलत नहीं है।'' उन्होंने कहा, यह जानकर खुशी हुई कि कांग्रेस पार्टी ने उपचुनाव में एक महिला को मैदान में उतारने का फैसला किया है। पिछली लोकसभा की तुलना में इस बार लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम हुआ है। इसलिए, मैं चाहती हूं कि अधिक महिलाएं आएं।

वहीं कांग्रेस की केरल इकाई ने प्रियंका गांधी का वायनाड में स्वागत किया और विश्वास जताया कि वह आगामी उपचुनाव में इस निर्वाचन क्षेत्र में रिकॉर्ड मतों के अंतर से जीत हासिल करेंगी। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा, ''राहुल और पार्टी प्रियंका को उम्मीदवार बना रहे हैं, जो वायनाड में और भी अधिक लोकप्रिय हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि वायनाड लोकसभा सीट के लिए आगामी उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करके वह पूरे राज्य की चहेती बन जाएंगी। उधर, वायनाड लोकसभा सीट पर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक ताकत इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने आगामी उपचुनाव में प्रियंका गांधी को मैदान में उतारने के कांग्रेस के फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संसद में उनकी उपस्थिति से विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' और मजबूत होगा। हम आपको बता दें कि आईयूएमएल केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ में एक प्रमुख भागीदार है। दूसरी ओर, भाजपा की केरल इकाई के प्रमुख के. सुरेन्द्रन ने राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने के फैसले का मजाक उड़ाया और कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी राज्य को एक राजनीतिक 'एटीएम' समझ रही है। भाजपा ने साथ ही मुख्य विपक्षी पार्टी पर ''परिवारवाद की राजनीति'' में लिप्त होने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनवाला ने आरोप लगाया, ''राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने और उनकी बहन के वहां से चुनाव लड़ने के फैसले के बाद आज यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस कोई राजनीतिक दल नहीं बल्कि परिवार की एक कंपनी है।''

राशिफल

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष : त्रयोदशी — **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मिला-जुला परिणाम रहेगा। स्वास्थ्य में थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आनंददायक जीवन गुजरेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम, फिर बेहतर हो जाएगा। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार बहुत अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
शत्रु परास्त होंगे। परेशानी बनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम-गरम है। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा रहेगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
कलह एवं भावुकता पर ध्यान दें। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम, संतान मध्यम है। व्यापार भी अच्छा है। लाल वस्तु पास रखें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी होगी। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। ऊर्जावान बने रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान का साथ है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
धन का आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान का साथ है। व्यापार बहुत अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
दोपहर के बाद से एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य सुधर जाएगा। भाग्य साथ देगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
आय से संबंधित चीजें दोपहर तक निपटा लें, इसके बाद खर्च की अधिकता हो जाएगी। मन भी परेशान रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम,संतान का भरपूर सहयोग। व्यापार बहुत अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
परिस्थितियां अनुकूल होती जाएंगी। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
दोपहर तक स्वास्थ्य पर ध्यान दीजिए, इसके बाद स्वास्थ्य सुधर जाएगा। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म हो जाएगी।

किसान सभा ने सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा एवं सचिव सुंदर प्रधान के नेतृत्व में भनौता गांव के दर्जनों किसानों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी हिमांशु वर्मा को ज्ञापन सौंपा।

गौरतलब है कि अभी कुछ दिन पहले भनौता गांव के खसरा नंबरों की खरीद के संबंध में प्राधिकरण अखबारों में प्रकाशन करवाया है। किसान सभा ने अपने आंदोलन में प्राधिकरण के साथ हुए समझौते में नए कानून के लागू करने की मांग की है प्राधिकरण ने

मांग के अनुसार 133वीं बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित कर शासन को संदर्भित भी किया है।

सर्किल रेट के रिवीजन के लिए आंदोलन के दौरान ही डीएम ने कमेटी का गठन किया है जिसकी रिपोर्ट आनी शेष है इसके अलावा नए कानून को लागू करने के संबंध में किसान सभा के आंदोलन के परिणाम में गठित हाई पावर कमेटी इस पर अपनी सिफारिश में सरकार को देगी। इसी सिलसिले में आज का ज्ञापन दिया गया है जिसमें 20000 प्रति वर्ग मीटर मुआवजा, नए कानून के अनुसार 20 प्रतिशत विकसित जमीन, हर प्रभावित परिवार के एक सदस्य को अनिवार्य रोजगार देने की मांग की गई है।

किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉक्टर रुपेश वर्मा ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से सर्किल रेट नहीं बढे हैं प्राधिकरण अपने सेक्टरों में आवंटित धारा हर वर्ष बढ़ा रहा है।

अखंड रामायण का पाठ आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा के तत्वाधान में शिव नगरी सेक्टर-17, नोएडा पर पिछले कई दिनों से चल रहा अखंड रामायण पाठ/ अष्टयाम यज्ञ आज विधि विधान के साथ हवन, पूजा पाठ व पूर्णाहुति के बाद भंडारा/ प्रसाद वितरण के साथ सम्पन्न हो गया।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष रितु सिन्हा ने बताया कि 16 जून 2024 को भव्य शोभा यात्रा निकाले जाने के साथ अखंड रामायण पाठ शुरू हुआ था और

आज पूर्णाहुति के बाद प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ है।

कार्यक्रम में दीदी की रसोई ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता गंगेश्वर दत्त शर्मा, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता व सहयोगी अशोक श्रीवास्तव, बिमला बाथम, मंजू सूद, ट्रस्ट के वरिष्ठ पदाधिकारी सुरेश अग्रवाल, गुड़िया देवी, सविता, गोमती देवी, सुशीला, रेखा चौहान, राहुल भाटिया, विवेक मिश्रा, विनोद शर्मा आदि के साथ-साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

दिल्ली जल संकट: हक का पानी नहीं मिला तो अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठूंगी: आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली में पानी का जबरदस्त संकट पैदा हो गया है। दिल्ली में क्या आम और क्या खास, हर इलाके में पानी की किल्लत बढ़ गई है। इसे लेकर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को उसके हक का पानी नहीं मिला तो 21 जून से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठूंगी।

आतिशी ने बताया कि मैंने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखकर विनम्र निवेदन किया है कि वो दिल्ली के लोगों को पानी दिलवाएं, चाहे हरियाणा से पानी दिलवाएं या कहीं और से लेकिन किसी भी तरह से पानी दिलवाएं। अगर 21 जून तक दिल्ली को अपने हक का 100 एमजीडी पानी नहीं मिला तो मुझे पानी के लिए सत्याग्रह शुरू करना पड़ेगा। मैं 21 जून से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठूंगी जबतक दिल्ली वालों को उनके हक का पानी नहीं मिल जाता।

पूर्वी दिल्ली की कई कॉलोनियों में दो-तीन दिन से पानी नहीं आ रहा। विनोद नगर, मंडावली, गणेश नगर समेत कई इलाकों में पानी के लिए हाहाकार मचा है। इधर, नई दिल्ली में गोल मार्केट, बंगाली मार्केट, तिलक मार्ग, संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और न्यायाधीशों के बंगलों में भी पानी की सप्लाई कम हो गई है। आरएमएल, कलावती और लेडी हार्डिंग जैसे अस्पताल भी पानी की कमी का सामना कर रहे हैं।

एनडीएमसी के सदस्य कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड पिछले कई दिन से एनडीएमसी क्षेत्र में कम पानी दे रहा है। वजीराबाद प्लांट से पानी की सप्लाई बंद कर दी है, जिसके कारण आरएमएल, लेडी हार्डिंग जैसे कई बड़े अस्पतालों को पानी की आपूर्ति करने से परेशानी हो रही है। जल बोर्ड द्वारा एनडीएमसी को उपलब्ध कराए जाने वाले पानी की न्यूनतम मात्रा 125 एमएलडी है। मुख्य रूप से तीन जल उपचार संयंत्रों वजीराबाद, चंद्रावल और सोनिया विहार से नई दिल्ली में जल आपूर्ति होती है, लेकिन वजीराबाद जल उपचार संयंत्र 50 फीसदी से कम क्षमता के साथ चल रहा है। दिल्ली जल बोर्ड को यहां से 60 एमएलडी पानी उपलब्ध कराना था, लेकिन पानी की सप्लाई बंद है।

चहल ने बताया कि चंद्रावल जल उपचार संयंत्र 30 फीसदी कम क्षमता पर चल रहा है। यहां से 35 एमएलडी पानी मिलता था, लेकिन 20 से 25 एमएलडी पानी ही उपलब्ध कराया जा रहा है। ये पानी राष्ट्रपति एस्टेट, चाणक्यपुरी, दूतावास, पीएम हाउस, एमपी फ्लैट में पहुंचता है।

भारतीय किसान यूनियन बलराज संगठन के बैनर तले अनिश्चित कालीन धरना सेक्टर-142 नोएडा शहदरा गांव में 125वे दिन धरना जारी रहा।

उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग का बड़ा फैसला, दसवीं में होंगे 10 सब्जैक्ट

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने बहुत बड़ा फैसला किया है। यह बड़ा फैसला उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग ने लिया है। उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग ने फैसला यह लिया है कि अगले शिक्षण सत्र से उत्तर प्रदेश में हाई स्कूल के छात्रों को अनिवार्य रूप से 6 विषयों के स्थान पर 10 विषय (सब्जैक्ट) पढ़ाए जाएंगे।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (यूपी बोर्ड) ने बहुत बड़ा फैसला किया है। इस फैसले के तहत उत्तर प्रदेश में अगले शिक्षा सत्र में हाईस्कूल के छात्रों को 10 विषय पढ़ाये जाएंगे।

10 विषयों का खाका यूपी बोर्ड की वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है। यह प्रस्ताव हूबहू लागू कर दिया जाए या कोई संशोधन करना चाहिए। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा परिषद ने ई मेल upmspncf2023@gmail.com

पर 29 जून तक सुझाव मांगा है। आए हुए सुझावों पर विचार करने के बाद इसे लागू कर दिया जाएगा।

नई शिक्षा नीति 2020 के क्रम में भारत सरकार से जारी नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ)-2023 के अंतर्गत हाईस्कूल (कक्षा नौ और 10) की पाठ्यचर्या में संशोधन किया गया है। हाईस्कूल में छह विषय अनिवार्य रूप से पढ़ाए जा रहे हैं। अब उसकी जगह 10 विषय कर दिए जाएंगे। सभी को तीन भाषाएं पढनी होंगी। इसमें हिंदी तो सबको पढनी होंगी। इसके अलावा संस्कृत, अंग्रेजी या देश की 17 भाषाओं में किसी एक को ले सकते हैं। चौथा विषय गणित सभी के लिए अनिवार्य होगा। ऐसे ही विज्ञान, सामाजिक विज्ञान भी अनिवार्य होगा। अंतर विषयक में गृह विज्ञान, मानव विज्ञान, वाणिज्य, एनसीसी, कंप्यूटर, कृषि, पर्यावरण में से किसी एक विषय को ले सकते हैं।

आठवां विषय कला शिक्षा क्षेत्र में से चित्रकला, रंजन कला, संगीत गायन, वादन में से कोई एक लेना होगा। शारीरिक शिक्षा के अंतर्गत नैतिक, योग, खेल आदि में से भी एक विषय लेना होगा। 10वें विषय के रूप में व्यावसायिक शिक्षा पढनी होगी। इसमें 26 विषय हैं। नौवीं और 10वीं में अलग-अलग विषय पढने होंगे।

पृष्ठ एक के शेष....

आग की लपटें ज्ञान...

नालंदा इस सत्य का उद्घोष है कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं, लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं। ये नया कैंपस, विश्व को भारत के सामर्थ्य का परिचय देगा। नालंदा बताएगा कि जो राष्ट्र, मजबूत मानवीय मूल्यों पर खड़े होते हैं, वो राष्ट्र इतिहास को पुनर्जीवित करके बेहतर भविष्य की नींव रखना जानते हैं।

बख्तियार खिलजी...

नालंदा यूनिवर्सिटी में आग लगवा दी थी। यहां के पुस्तकालय में इतनी पुस्तकें थी कि पूरे तीन महीने तक आग धधकती रही थी।

धर्मगूंज लाइब्रेरी में 90 लाख से अधिक किताबें मौजूद थीं। नालंदा यूनिवर्सिटी के नए कैंपस में दो अकेडमिक ब्लॉक हैं, जिनमें 40 क्लासरूम हैं। यहां पर कुल 1900 बच्चों के बैठने की व्यवस्था है। यूनिवर्सिटी में दो ऑडिटोरियम भी हैं। इसके अलावा इंटरनेशनल सेंटर और एम्फीथिएटर भी बनाया गया है, जहां 2 हजार लोगों के बैठने की क्षमता है। यही नहीं, छात्रों के लिए फैकल्टी क्लब और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी हैं।

पीएम ने देर रात...

का पुनर्विकास किया जा रहा है। स्टेडियम की इमारते ग्रीन बिल्डिंग के रूप में बन रही है। यह स्टेडियम खेलो इंडिया और स्मार्ट सिटी के सहयोग से टू बिल्ड पद्धति पर ईपीसी मोड पर एमएचपीएल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कानपुर ने रिकॉर्ड समय में इसे पहले तैयार किया जा रहा है। इसमें बैडमिंटन, हैंडबॉल,बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, वेटलिफ्टिंग, स्क्वैश जैसे 20 से अधिक इनडोर खेल खेलने की सुविधा होगी।

कमरे में मिला...

हुआ लड़ रहा था। रात 1:30 बजे तक वह अपने पिता से लड़ता रहा। बंटी दोनों को समझ कर मकान की छत पर जाकर सो गया था।

लखनऊ में मस्जिद...

की जमीन पर अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चला है. यहां अवैध रूप से बने 1169 आवास और 101 कॉमर्शियल निर्माण ध्वस्त किए गए हैं. अकबरनगर में ध्वस्तीकरण अभियान का कार्य पूरा हो गया है। अब मलबा हटाया जा रहा है. अतिक्रमण हटाने का अभियान दिसंबर 2023 से शुरू हुआ था। इश अभियान में करीब 24.5 एकड़ जमीन पर बने 1800 से अधिक अवैध निर्माण जमींदोज किए गए हैं।

शासन के निर्देश पर सर्वे के दौरान नदी की जमीन पर बड़ी संख्या में अवैध निर्माण की बात सामने आई थी. योगी सरकार अब इस क्षेत्र को इको टूरिज्म का हब बनाएगी। लखनऊ के चिड़ियाघर को भी इसी जगह पुनर्स्थापित किए जाने की योजना है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुकरेल नदी के पुनर्जीवन के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ी है। इसके बाद सीएम के प्रयासों का यहां असर दिखा है. कोर्ट ने भी योगी सरकार की कार्रवाई को सही माना है।

2000 पौधे लगाएगा...

आनदं मोहन तथा अन्य अधिकारियों को 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा तथा उन पर विस्तृत वार्ता की। आरडब्ल्यूए द्वारा रखी गई समस्याओं में पार्कों की चारदीवारी को ऊंचा करना, फेंसिंग में सुधार व मरम्मत, पार्क में घास लगाने व सिंचाई की व्यवस्था करने, मेघदूतम पार्क में सिक्योरिटी गेट बनाने, कच्चे ट्रैक पर बदरपुर डालने, जिम में सुधार व मरम्मत, डी-पार्क में गजीबो हट बनाने व अन्य मरम्मत कराने, सी ब्लॉक पार्क में झूलों को शिफ्ट कराने की प्रमुख समस्या थी। शीर्ष अफसरों ने सभी समस्याओं के समाधान के आदेश अपने मातहत अफसरों को दिये।

इस अवसर पर उद्यान विभाग के निदेशक आनंद मोहन के अलावा सहायक निदेशक प्रशांत कुमार, प्रबंधक मदन पाल, अमित, ठेकेदार राजीव गोयल के अलावा आरडब्ल्यूए उपाध्यक्ष पवन शर्मा, महासचिव संजीव कुमार, संयुक्त सचिव ए.के. सरीन, सौरव जैन, कर्नल हरेन्द्र सिंह, अरविंद शर्मा, भूपेन्द्र यादव, आलोक कुच्छल, तुलसीदास, मुकेश धीर व अनिन्दा आदि शामिल थे।

कैलाश अस्पताल समूह...

डा. रितु वोहरा को बधाई दी। कैलाश अस्पताल की श्रेष्ठ स्वास्थ्य सेवाओं तथा लोकप्रियता हासिल करने में डा. रितु वोहरा का काफी योगदान रहा है। उनके इसी योगदान के मद्देनजर उन्हें इस सम्मान से नवाजा गया है।

किसानों की समस्याओं...

अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि किसान दिवस में निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर स्वयं उपस्थित होकर किसानों की समस्याओं का समाधान करना सुनिश्चित करेंगें।

अब डार्क स्पॉट में...

हादसों पर ब्रेक लग सकें। ऐसे इलाकों में बरौला स्थित हनुमान चौक का तिराहा भी शामिल है। जहां आये दिन सड़क हादसे होते हैं। इन 15 डार्क स्पॉट क्षेत्रों में जियोमेट्रिक डिजाइन में गड़बड़ी, पैदल पारपथ का अभाव आदि की खामियां हैं। वहीं कुछ स्थानों पर अवैध रोड व बैरियर भी शामिल है। इन सभी को अब प्राधिकरण दुरस्त करेगा।

भूलेख विभाग के...

निर्माण को ध्वस्त करने का निर्णय लिया। इसके बाद लेखपाल की कलई खुली, क्योंकि खसरा नंबर 388 प्राधिकरण की अर्जित भूमि है। इस खसरा नंबर की पांच हजार वर्ग मीटर पर बने अवैध तरीके से बाउंड्रीवाल कर छोटे छोटे मकानों का निर्माण कराया जा रहा था। कुछ जगह दुकानों को भी तैयार किया गया था, जिन्हें ध्वस्त किया गया।

हालांकि इस दौरान गांव के आसपास से कुछ लोग इस कार्रवाई का विरोध करने पहुंच गए, जिन्होंने जमीन को राज्य सरकार की बताने का प्रयास किया। इस पर ओएसडी क्रांति शेखर सिंह ने कहा कि यह अब बाद में तय होगा कि जमीन किसकी है, नियमानुसार जमीन जिसकी भी हो, लेकिन अवैध निर्माण इजाजत नहीं दी जा सकती है। इसके बाद तोड़-फोड़ टीम वापस लौट आई। वर्क सर्किल छह वरिष्ठ प्रबंधक केबी सिंह ने बताया कि 388 खसरा नंबर पर करीब 2500 वर्ग मीटर जमीन से अवैध निर्माण हटा दिया गया है। उधर, ओएसडी क्रांति शेखर सिंह ने कहा कि कार्रवाई के दौरान टीम भ्रमित करने का प्रयास लेखपाल की ओर से किया गया है। इसकी रिपोर्ट तैयार कर प्राधिकरण सीईओ डा लोकेश एम को भेज दी गई है, निश्चित ही लेखपाल के खिलाफ कार्रवाई होगी, क्योंकि पिछले दो से तीन बार तोड़फोड़ टीम मौके पर जाकर बिना कार्रवाई वापस लौट चुकी थी, जिसमें खसरा नंबरों को लेकर लेखपाल ने गुमराह किया। इस प्रकरण पर जब लेखपाल प्रवेश कुमार दीक्षित से बातचीत की गई तो उन्होंने बात करने से इनकार कर दिया।

कार व्यापारी की...

गिरफ्तार काले को डासना जेल में रखा गया था। डासना जेल के सुपरिंटेंडेंट आलोक कुमार सिंह ने बताया कि बीते 15 जून को डासना जेल के अस्पताल में काले अनेजा को इलाज के लिए भर्ती कराया गया तबीयत ज्यादा खराब होने के चलते उसे संयुक्त जिला चिकित्सालय में रेफर किया गया था। इलाज के दौरान कल रात जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

बकरीद पर कुर्बानी से बचाने को 11 लाख में खरीद लिए 127 बकरे

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली समेत पूरे देश में सोमवार को बकरीद का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। परंपरा के मुताबिक कुर्बानी भी दी गई। इस बीच दिल्ली में 127 बकरों को कुर्बानी से बचाने के लिए कुछ लोगों ने मिलकर 11 लाख रुपए खर्च कर डाले। ना सिर्फ इन बकरों को खरीदा गया बल्कि जीवनभर इनकी सेवा का इंतजाम भी किया गया है। सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, यह पहल पुरानी दिल्ली में स्थित धर्मपुरा जैन मंदिर से जुड़े जैन समाज के कुछ लोगों ने की। दिगंबर जैन लाल मंदिर के प्रबंधन से जुड़े पुनीत जैन ने बताया कि मंदिर से जुड़े युवा जैन संगठन ने यह काम किया। उन्होंने कहा, हर जीव को जीने का हक है। हमसे जो भी सहयोग हो सकता है, जितनी हमारी क्षमता है उसके तहत हमने ऐसा किया। पुनीत जैन ने बताया कि बकरों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्हें दाना-पानी दिया जा रहा है। डॉक्टरों की टीम सुबह शाम उनकी जांच कर रही है। एक-दो दिन में खतौली के पास एक बकराशाला में भेजा जाएगा, जिसे जैन समाज की ओर से ही संचालित किया जाता है। बकरीद से दो दिन पहले ही मंदिर से जुड़े कुछ लोगों में मन में यह विचार आया। इसके बाद समाज के लोगों को जोड़ने वाले वॉट्सऐप ग्रुप्स में प्लान को साझा करते हुए आर्थिक मदद की अपील की गई। देखते ही देखते 11 लाख रुपए से अधिक की धनराशि जमा हो गई। इस धनराशि से 127 बकरों की खरीद की गई।

राजधानी दिल्ली में 6 साल बाद गुजरी सबसे गर्म रात, न्यूनतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में गर्मी और हीटवेव का दौर जारी है। पानी की दिक्कत से भी लाखों लोग त्रस्त हैं। दिल्ली में इस सीजन रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। मंगलवार को राजधानी में न्यूनतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से छह डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग ने बताया कि यह इस सीजन में अब तक का दर्ज हुआ सबसे अधिक न्यूनतम तापमान है। छह साल पहले न्यूनतम तापमान इतना ऊपर चढ़ा था। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली में आखिरी बार 13 जून, 2018 को इससे अधिक न्यूनतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। पिछले पांच दिनों से न्यूनतम तापमान सामान्य से 5-6 डिग्री ऊपर बना हुआ है। मंगलवार को यह 33.8 डिग्री तक पहुंच गया, ऐसी गर्मी छह साल बाद पड़ रही है। तापमान में बढ़ोतरी से रातें गर्म हो रहीं हैं। मौसम विभाग ने बताया कि एक पश्चिमी विक्षोभ के चलते बुधवार से मौसम के बदलने की उम्मीद है। बुधवार और गुरुवार (19-20 जून) को दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि मौसम विभाग ने कहा कि गुरुवार को बारिश की संभावना ज्यादा है। लेकिन बुधवार देर रात भी वर्षा हो सकती है। इस दौरान तेज हवाएं चलने की भी भविष्यवाणी की गई है। इससे कई हिस्सों में तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट दर्ज की जा सकती है। दरअसल, जब अधिकतम तापमान 40 डिग्री से अधिक और न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस या अधिक होता है तो इसे गर्म रात (वार्म नाइट) कहा जाता है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 6 डिग्री ज्यादा है। बल्कि वार्म नाइट के लिए इसका 4.5 डिग्री से अधिक होना जरूरी है। गर्मी के इस सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान इतना अधिक दर्ज किया गया है। इससे पहले जून 2018 में यह 34 डिग्री तक पहुंचा था।

रील बनाने के चक्कर में लड़की ब्रेक लगाना भूली, गहरी खाई में गिरी कार ; दर्दनाक मौत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक लड़की रील बनाने के चक्कर में ब्रेक लगाना भूल गई और ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबा दिया। इससे हुआ यूं कि वह कार संग 300 फीट गहरी खाई में गिर गई। लड़की की दर्दनाक मौत हो गई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना सोमवार की है और लड़की की पहचान 23 साल की श्वेता सुरवासे के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, लड़की चलाते हुए वीडियो शूट कर रही थी, तब यह हादसा हुआ। सोमवार को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में लड़की ने रिवर्स गियर में गाड़ी चला रही थी और गलती से उसने एक्सीलेटर दबा दिया। कार खाई में गिर गई और उसकी मौत हो गई। खुतबाबाद पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि घटना दोपहर में सुलिभंजन इलाके में हुई है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, युवती कार चलाते हुए वीडियो शूट कर रही थी। जानकारी के अनुसार, श्वेता सुरवासे के दोस्त शिवराज मुले जब वीडियो शूट कर रहे थे, तो उन्होंने गाड़ी चलाने की कोशिश की। दुर्भाग्य से, जब कार रिवर्स गियर में थी, तो उन्होंने गलती से एक्सीलेटर दबा दिया। इससे कार पीछे की ओर फिसल गई और क्रैश बैरियर को तोड़ते हुए खाई में जा गिरी। बचावकर्मियों को उस जगह तक पहुंचने में एक घंटे से ज्यादा का समय लगा, जहां कार खाई में गिरी थी। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद युवती को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आईएएस परीक्षा देने आई बेटी को नहीं मिला मौका तो गेट पर लोटने लगी मां

गुरुग्राम , एजेंसी। रविवार को देशभर में यूपीएससी-2024 की परीक्षा में लाखों छात्रों ने भाग लिया। गुरुग्राम में एक परीक्षा स्थल पर लड़की सेंटर पर देरी से पहुंची तो उसे अंदर नहीं आने दिया। दुखी होकर लड़की के मां और पिता सड़क पर रोते रहे लेकिन, परीक्षा आयोजकों का दिल नहीं पसीजा। इसका दिल दहला देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लड़की की मां गेट पर लोटती हुई नजर आई और बेटी को अंदर आने की विनती करती रही। उसके पिता को सिर पकड़कर चिल्लाते तो कभी मिन्नते करते देखा जा सकता है। उठकर चिल्लाते हुए वो कहते हैं- शाप लगेगा तुम्हे, भगवान के लिए अंदर आने दो। घटना गुरुग्राम के एक परीक्षा केंद्र के बाहर की बताई जा रही है। बीते रविवार को संघ लोक सेवा आयोग ने देश भर के विभिन्न केंद्रों पर सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2024 आयोजित की थी। जिसमें लाखों छात्र शामिल हुए। पहला सत्र सुबह 9 बजे शुरू हुआ था। देर से पहुंचने पर एक महिला अभ्यर्थी को गेट के अंदर एंट्री नहीं मिली। जिसके बाद यह पूरा हंगामा हुआ। इस घटना का दिल दहला देने वाला वीडियो भी सामने आया है। इस वायरल वीडियो को एक्स पर साक्षी नाम की एक यूजर ने शेयर किया है। वीडियो में दिख रहा है कि लड़की की मां बेहोशी की हालत में गेट पर लोटती हुई दिखाई दे रही है। दूसरी तरफ लड़की के पिता को रोते-बिलखते देखा जा सकता है।

लड़की क्लिप में कहती हुई दिख रही है, पापा! पानी पियो। क्यों ऐसे कर रहे हो? पापा, हम अगली बार दे देंगे। कुछ ऐसी बात नहीं है। मैं अगले साल परीक्षा में बैठूंगी, यह कोई बड़ी बात नहीं है। रोते-रोते मां-पिता क्या कह रहे रोते हुए पिता कहते हैं, एक साल गया बाबू हमारा। जिस पर वह जवाब देती हैं, कोई बात नहीं! उमर नहीं जा रही है मेरी। अभी मैं जवान हूं। उधर, पिता और बेटी रोती हुई मां को सांत्वना देने का प्रयास करते हैं। लड़की की मां गेट पर लोटती हुई दिखाई देती है। वह बार-बार यही बोलती है कि मैं यहां से नहीं जाऊंगी। सोशल मीडिया पर रिएक्शन इस वीडियो को सोशल मीडिया पर 25 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। दिल दहला देने वाले इस वीडियो पर लोगों के कमेंट की बाढ़ आ गई है। यूजर ने क्लिप के कैप्शन में कहा, दिल दहला देने वाला वीडियो। आज यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा के लिए अपनी बेटी के साथ आए माता-पिता की हालत क्या हो गई। क्योंकि देर से आने के कारण उनकी बेटी को अंदर नहीं जाने दिया। एक यूजर ने कहा, नियम यही है, रिपोर्टिंग समय के बाद किसी को भी अनुमति नहीं है। एक व्यक्ति ने लिखा, मैंने कल परीक्षा में हिस्सा लिया था। उन्होंने मुझे सुबह 9 बजे के बाद भी अंदर जाने की अनुमति दी। लेकिन कुछ कॉलेजों में यह इंचार्ज पर निर्भर करता है।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विधायक पद से दिया इस्तीफा, फिलहाल बने रहेंगे मंत्री

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सबसे वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने आखिरकार इस्तीफा दे दिया है। बृजमोहन अग्रवाल ने विधानसभा के अध्यक्ष डॉ रमन सिंह को अपना इस्तीफा सौंपा है। इस दौरान बृजमोहन अग्रवाल के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय चंद्राकर, प्रेम प्रकाश पांडे, राजेश मूणत, सुनील सोनी, अनुज शर्मा और विधायक पुरंदर मिश्रा शामिल रहे हैं। बृजमोहन अग्रवाल की इस्तीफा के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने यह कहा कि छत्तीसगढ़ के विधानसभा में बृजमोहन अग्रवाल की उपस्थिति का एहसास हमेशा होता रहेगा। बृजमोहन अग्रवाल की इस्तीफा के बाद विधानसभा के अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने यह कहा कि बृजमोहन अग्रवाल ने 35 साल के विधायक का अनुभव मध्यप्रदेश से लेकर छत्तीसगढ़ विधानसभा तक काम किया है। आज 5 लाख 50 हजार वोट से लोकसभा के लिए जीत के गए हैं। आज उन्होंने अपनी छत्तीसगढ़ विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दिया है जिसे स्वीकार कर लिया गया है। छत्तीसगढ़ के विधानसभा में बृजमोहन अग्रवाल की उपस्थिति का एहसास हमेशा होता रहा है। इतनी जीवंतता बनी रही है अब उनकी कमी हमेशा बनी रहेगी। अब राष्ट्रीय परिपेक्ष में उनको अवसर छत्तीसगढ़ की आवश्यकता को बताने का मौका मिलेगा।

ईंधन की कीमतों के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन, विरोध के दौरान नेता की गई जान

बंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और पूर्व एमएलसी एमबी भानुप्रकाश का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 69 वर्ष के थे। घटना सोमवार की बताई जा रही है। जब शिवमोगा में विरोध प्रदर्शन के दौरान भानुप्रकाश कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद जमीन पर गिर गए।

यह विरोध प्रदर्शन कर्नाटक सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर बिक्री कर को बढ़ाकर 29.84 प्रतिशत और 18.44 प्रतिशत करने के फैसले के खिलाफ था। सरकार के इस फैसले से 15 जून से राज्य भर में पेट्रोल की कीमतों में लगभग तीन रुपये और डीजल की कीमतों में 3.05 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। लोकसभा चुनाव के बाद ईंधन की कीमतों में संशोधन करने वाला कर्नाटक पहला राज्य है।

पुलिस के अनुसार शिवमोगा में भाजपा द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष भानुप्रकाश प्रकाश कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद अपनी कार में बैठते समय गिर पड़े। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाने के बावजूद बचाया नहीं जा सका।

कर्नाटक बीजेपी प्रमुख बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि राज्य में पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले संघ के वफादार भानुप्रकाश के आकस्मिक निधन से उन्हें झटका लगा है। विजयेंद्र ने कहा, भानुप्रकाश ने अपनी आखिरी सांस तक भाजपा के लिए काम किया। उनके निधन से पार्टी को बहुत बड़ी क्षति हुई है।

गुजरात में मालगाड़ी के ड्राइवर की सूझबूझ से 10 शेरों की जान बची

अमरेली, एजेंसी। गुजरात के अमरेली जिले में मालगाड़ी के ड्राइवर की सूझबूझ से 10 शेरों की जान बच गई। एक रेलवे अधिकारी ने बताया कि गुजरात के अमरेली जिले में पीपावाव बंदरगाह के पास एक मालगाड़ी के चालक ने सोमवार तड़के पटरियों पर दस शेरों को देखकर आपातकालीन ब्रेक लगाकर उनकी जान बचाई। पश्चिम रेलवे (डब्ल्यूआर) के भावनगर खंड की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह घटना तब हुई जब मुकेश कुमार मीणा पीपावाव बंदरगाह स्टेशन से साइडिंग (मुख्य गलियारे के बगल में एक छोटा ट्रैक) तक मालगाड़ी का संचालन कर रहे थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ड्राइवर मुकेश कुमार मीणा तेजी से मालगाड़ी को आगे बढ़ा रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी नजर शेरों पर पड़ी। उन्होंने देखा कि 10 शेर पटरी पर बैठकर आराम कर रहे थे। ऐसा देख उन्होंने तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाकर मालगाड़ी रोक दी। उन्होंने मालगाड़ी रोककर तब तक इंतजार किया जब तक कि शेर पटरी से उठकर दूर नहीं चले गए। इसके बाद उन्होंने मालगाड़ी को उसके गंतव्य तक पहुंचाया। रेलवे के अधिकारियों ने ड्राइवर के सराहनीय कार्य की प्रशंसा की है। डब्ल्यूआर की विज्ञप्ति में कहा गया है कि शेरों सहित अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए भावनगर मंडल द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। निर्देश के अनुसार, इस मार्ग पर ट्रेन चालक सतर्क रहते हैं और निर्धारित गति सीमा के अनुरूप ही ट्रेन चलाते हैं।

हिमाचल उपचुनाव में कांग्रेस ने हमीरपुर और नालागढ़ से उतारे प्रत्याशी, देहरा सीट पर ऐलान बाकी

हमीरपुर, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तीन में से दो सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने नालागढ़ और हमीरपुर से पिछला विधानसभा चुनाव लड़ चुके प्रत्याशियों को फिर मौका दिया है। नालागढ़ सीट से हरदीप सिंह बाबा और हमीरपुर सीट से डॉक्टर पुष्पेंद्र वर्मा को टिकट मिला है। अब देहरा सीट पर प्रत्याशी का ऐलान किया जाना बाकी है। इस सीट पर पूर्व प्रत्याशी राजेश शर्मा के अलावा भाजपा के कदावर नेता व पूर्व मंत्री रमेश धवाला सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता टिकट की दौड़ में हैं। दूसरी तरफ भाजपा सभी तीन सीटों पर अपने प्रत्याशी पांच दिन पहले ही घोषित कर चुकी है। नालागढ़ से कांग्रेस प्रत्याशी हरदीप सिंह बाबा प्रदेश इंटक के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके अलावा वह स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के नेतृत्व वाली पूर्व कांग्रेस सरकार में श्रमिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रहे थे। हरदीप सिंह बाबा की गिनती वीरभद्र सिंह परिवार के करीबियों में होती है। उनकी टक्कर भाजपा के केएल ठाकुर से होगी। हमीरपुर सीट से प्रत्याशी बनाए गए डॉक्टर पुष्पेंद्र वर्मा सियासी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता रणजीत सिंह वर्मा पूर्व में उद्योग मंत्री रह चुके हैं। डॉक्टर वर्मा सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के करीबी माने जाते हैं। डॉक्टर पुष्पेंद्र वर्मा पेशे से चिकित्सक हैं। उनका मुकाबला भाजपा के आशीष शर्मा से होगा। बता दें कि साल 2022 के चुनाव में ये तीनों सीटें निर्दलीय विधायकों के

खाते में थी। देहरा से होशियार सिंह, हमीरपुर से आशीष शर्मा और नालागढ़ से केएल ठाकुर ने चुनाव जीता था। हालांकि निर्दलीय विधायक निर्वाचित होने के बाद वे सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार को समर्थन दे रहे थे। इसी साल 27 फरवरी को राज्यसभा की एक सीट पर हुए चुनाव में इन तीनों ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट किया। इसके बाद इन्होंने विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दिया और भाजपा में शामिल हो गए। लोकसभा चुनाव के नतीजों से एक दिन पहले विधानसभा अध्यक्ष ने इनका इस्तीफा मंजूर किया था। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा ने उपचुनाव में तीनों पूर्व निर्दलीय विधायकों को प्रत्याशी बनाया है। तीनों विधानसभा हलकों में उपचुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया बीते 14 जून को शुरू हुई है, जो 21 जून तक चलेगी। तीनों सीटों पर 10 जुलाई को मतदान होगा और 13 जुलाई को चुनाव नतीजे आएंगे।

68 सदस्यीय हिमाचल विधानसभा में मौजूदा समय में 65 सदस्य हैं और इनमें सत्तारूढ़ कांग्रेस के 38 और भाजपा के 27 विधायक हैं। तीन सीटों पर विस उपचुनाव के नतीजे सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर कोई असर नहीं डालेंगे, क्योंकि कांग्रेस के पास पूर्ण बहुमत हासिल है।

हसबुल्ला ने गायों को ठूंस-ठूंसकर खिलाया पराठा और कटहल, 5 की दर्दनाक मौत

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल की एक गौशाला में गायों को कथित तौर चारे की जगह मैदे से बना पराठा और कटहल ठूंस-ठूंसकर खिलाने का मामला सामने आया है। अधिक खाने से पांच गायों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि, नौ को इलाज के लिए पशु अस्पताल में भर्ती किया गया है।

पराठा और कटहल से मरने वाली गायें हसबुल्ला नाम के एक डेयरी किसान की बताई जा रही हैं। वह पिछले 20 साल से गायों का पालन कर रहा है। इस मामले में राज्य के पशुपालन मंत्री ने उसकी गौशाला का दौरा भी किया। उन्होंने कहा कि किसान को उसके नुकसान की भरपाई की जाएगी।

बता दें कि पराठा मैदा से बनी एक रोटी का प्रकार है। यह केरल समेत दक्षिण भारत के कई राज्यों में लोकप्रिय व्यंजन है। उसे तवे पर तलकर तैयार किया जाता है।

घटना क्या हुई : मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार को अचानक गायें बेहोश होने लगीं। किसान के कॉल पर पहुंची पशु चिकित्सक टीम के अधिकारियों ने गायों को चेक करना शुरू किया। पशु कल्याण

विभाग के अनुसार, पांच गायों की मौत हो चुकी थी। जबकि, नौ गायों में कंपन हो रहा था। जांच से पता चला कि पराठा और कटहल अधिक खाने से उनका ऐसा हाल हुआ है।

हसबुल्ला ने ऐसा क्यों किया : ऐसी जानकारी सामने आई है कि हाल ही में पशुओं के चारे की कीमत बढ़ गई थी। जिसके बाद हसबुल्ला ने अपनी गायों को पराठा, कटहल और इमली के बीज की भूसी का मिश्रण खिलाना शुरू कर दिया था। अधिकारियों के मुताबिक, पराठा के लिए एक निश्चित मात्रा तय की गई थी, लेकिन हसबुल्ला ने गायों को उस हिसाब से खाना नहीं दिया। इस पूरे प्रकरण पर जिला पशुपालन अधिकारी डी शाइन कुमार का कहना है कि अगर गायें बहुत अधिक पराठा, कटहल या चावल का दलिया खाती हैं तो इससे उनके शरीर में लैक्टिक एसिड की मात्रा बढ़ सकती है।

भाजपा कैंडिडेट को भी नतीजे पर शक, ईवीएम और वीवीपैट मिलान के लिए पहुंचे चुनाव आयोग

नईदिल्ली, एजेंसी। हालिया लोकसभा चुनावों में हार का सामना करने वाले करीब एक दर्जन उम्मीदवारों ने चुनाव आयोग को आवेदन देकर ईवीएम वीवीपीएटी जांच की मांग की है। इसमें भाजपा उम्मीदवार से लेकर अन्य दलों के भी कैंडिडेट शामिल हैं। अपने आवेदनों में इन उम्मीदवारों ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (ईवीएम वीवीपीएटी) यूनिट के मेमोरी वेरिफिकेशन की मांग की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसे कुल 10 उम्मीदवारों के आवेदन चुनाव आयोग को मिले हैं, जिन्होंने ईवीएम-वीवीपैट के सत्यापन की जांच की मांग की है। इनमें से अधिकांश उम्मीदवारों ने एक से तीन ईवीएम यूनिट के सत्यापन की मांग की है। हालांकि कुछ उम्मीदवारों ने इससे ज्यादा यूनिट की जांच की भी मांग की है। इन उम्मीदवारों को प्रत्येक ईवीएम यूनिट के लिए 40,000 रुपये और उस पर 18 फीसदी जीएसटी चुकाना पड़ा है। जिन लोगों ने ऐसे आवेदन दिए हैं, उनमें महाराष्ट्र के अहमदनगर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार सुजय राधाकृष्ण विखेपाटिल भी शामिल हैं। इन्होंने विधानसभा क्षेत्रवार ईवीएम यूनिट की जांच की मांग की है। शरद पवार की एनसीपी के नीलेश ज्ञानदेव लंके ने उन्हें 28929 मतों से हराया है। इनके अलावा ओडिशा में झारसुगुड़ा से बीजू जनता दल की उम्मीदवार दीपाली दास ने भी ऐसी ही मांग की है। वह भाजपा के टंकधर त्रिपाठी से लोकसभा चुनाव 1265 वोटों से हार गई थीं। दास इस

सीट से कई बार सांसद रह चुकी हैं। उन्होंने करीब एक दर्जन ईवीएम-वीवीपैट मशीनों की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि कुल 19 राउंड की गिनती में 17वें राउंड तक वह आगे चल रही थीं लेकिन अचानक आखिरी दो राउंड की गिनती में वह पिछड़ गईं। यह उन्हें रास नहीं आ रहा है। ईटी से बातचीत में दास ने यह पुष्टि की है कि उन्होंने 13 मशीनों के सत्यापन की मांग चुनाव आयोग से की है। छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड जहां भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है, से एक भी ऐसे आवेदन आयोग को नहीं मिले हैं। बता दें कि लोकसभा चुनावों के दौरान 26 अप्रैल के अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने सभी ईवीएम-वीवीपैट पर्चियों के मिलान की अर्जी खारिज करते हुए कहा था।

कांग्रेस ने गुजरात में 2 हजार करोड़ रुपए के घोटाले का लगाया आरोप, भाजपा सरकार ने दिया जवाब

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात कांग्रेस ने सोमवार को भरूच में जीआईडीसी की दो सम्पदाओं में उद्योगों को भूमि आवंटन की प्रक्रिया में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, हालांकि राज्य सरकार ने इन दावों को निराधार बताया। कांग्रेस नेता शक्तिसिंह गोहिल ने संवाददाताओं को बताया कि जून 2023 में गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) प्रबंधन ने सायखा और दाहेज एस्टेट को संतृप्त क्षेत्र घोषित किया था, जिसके लिए जमीन का आवंटन केवल सार्वजनिक नीलामी के जरिए जाना था, लेकिन इस साल फरवरी में निर्णय को उलट दिया गया। उन्होंने बताया कि जीआईडीसी प्रबंधन ने दोनों सम्पदाओं को असंतृप्त घोषित कर दिया, जिसका अर्थ था कि सार्वजनिक नीलामी की आवश्यकता के बिना, निश्चित जंत्री दर (सरकार द्वारा निर्धारित दर) पर जमीनत आवंटित की जा सकती थी। गोहिल ने आरोप लगाया कि यह बहुत कम कीमत पर जमीन आवंटित करने और इस तरह 2,000 करोड़ रुपये का घोटाला करने के लिए किया गया। उन्होंने जून 2023 के फैसले को पलटने पर राज्य की भाजपा सरकार से स्पष्टीकरण मांगा।

सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जज से जांच की मांग : उन्होंने इस मुद्दे की सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के किसी मौजूदा न्यायाधीश से जांच कराने की भी मांग की क्योंकि इससे राज्य के खजाने को कथित तौर पर भारी नुकसान हुआ है। कांग्रेस के

वरिष्ठ नेता गोहिल ने कहा, जब किसी जीआईडीसी को संतृप्त घोषित कर दिया जाता है, तो उसे शेष भूखंडों की बिक्री नीलामी के जरिए करनी पड़ती है, जिससे राज्य को अधिक राजस्व प्राप्त होता है। हालांकि, मंत्री ऋषिकेश पटेल ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें असंतृप्त घोषित करने का निर्णय जीआईडीसी बोर्ड द्वारा उसकी 519वीं बैठक में लिया गया था, जब राज्य सरकार को उद्योग निकायों से प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ था। पटेल ने बताया कि उद्योग निकायों ने सरकार के ध्यान में लाया कि दोनों जीआईडीसी में पर्याप्त मात्रा में बिना बिकी भूमि है, इसलिए उन्हें संतृप्त घोषित नहीं किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, इस पर सरकार ने विचार किया और 519वीं बैठक में अपने निर्णय को पलट दिया। पटेल ने कहा, दाहेज और सायखा औद्योगिक एस्टेट में रासायनिक और इंजीनियरिंग दोनों ही क्षेत्र हैं। जीआईडीसी ने इन एस्टेट के रासायनिक क्षेत्रों में लगभग 90 प्रतिशत भूखंड बेचे जाने के बाद पूरे एस्टेट को संतृप्त क्षेत्र घोषित करने का फैसला किया, जबकि इंजीनियरिंग क्षेत्रों में पर्याप्त भूमि उपलब्ध थी। उन्होंने कहा, औद्योगिक निकायों से अभ्यावेदन प्राप्त करने के बाद, जीआईडीसी ने अपनी 519वीं बैठक में इस तथ्य पर विचार करने के बाद दोनों एस्टेट को असंतृप्त घोषित किया कि रासायनिक और इंजीनियरिंग क्षेत्रों को मिलाकर पर्याप्त भूमि उपलब्ध थी। मंत्री ने कहा कि निर्णय में कोई अनियमितता नहीं है और सायखा में एक भी भूखंड आवंटित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन पर सभी निर्णय विभिन्न पहलुओं पर विचार करने और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से एक समिति द्वारा लिए जाते हैं। मंत्री ने कहा, जीआईडीसी एक गैर-लाभकारी संस्था है।

आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में

स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर पहुंची

दुबई

भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दो पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गई। बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज मंधाना ने घरेलू मैदान पर अपना पहला शतक जड़ते हुए 117 रन की मैच विजयी पारी खेली और तीन मैचों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की 143 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई।
मंधना के 715 अंक हैं और वह श्रीलंका की चामरी अटापट्टू से पीछे हैं जिन्होंने इंग्लैंड की नताली स्काइवर-ब्रंट को अपनी नंबर एक रैंकिंग गंवा दी थी। इंग्लैंड की ऑलराउंडर स्काइवर-ब्रंट ने पिछले [illegible] पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 124 रन की शानदार पारी खेलकर अपना नंबर एक स्थान फिर हासिल किया। भारत की सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा तीन पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गई है जबकि पूजा वस्त्राकर तीन पायदान ऊपर 38वें स्थान पर हैं। ऑलराउंडरों की सूची में वस्त्राकर ने सबसे लंबी छलांग लगाई है। यह 24 वर्षीय खिलाड़ी चार पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी खिलाड़ी मारिजाने कैप एकदिवसीय ऑलराउंडर की रैंकिंग में नंबर एक पर बनी हुई हैं। एकदिवसीय गेंदबाजी सूची में दीप्ति ने श्रृंखला के पहले मैच में 10 रन पर दो विकेट चटकाकर एक स्थान का सुधार करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने शीर्ष पर अपनी मजबूत बढ़त बनाए रखी है।

रोहित-विराट, सूर्यकुमार के कंधों पर टीम इंडिया की नैया

कैरिबियाई पिच पर शानदार हैं इनके आंकड़े

नई दिल्ली। टीम इंडिया अब टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 स्टेज के अपने मैच खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम को 20 जून को अफगानिस्तान, 22 जून को बांग्लादेश और 24 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने सुपर-8 के तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में टीम इंडिया अपनी ताकत के साथ जीत दर्ज करना चाहेगी। मैन इन ब्लू की ताकत उनकी मजबूत बल्लेबाजी है, जो ग्रुप स्टेज में ठीक से नहीं चल पाई क्योंकि न्यूयॉर्क में टीम ने अपने सभी मैच खेले और वहां की पिच गेंदबाजों की मददगार थी, जहां औसत स्कोर 120-125 था। अब टीम इंडिया का करवां वेस्टइंडीज में बढ़ चला है, जहां बल्लेबाज शानदार प्रदर्शन करते हुए नजर आ सकते हैं। तो आज हम आपको टीम इंडिया के ऐसे बल्लेबाजों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्होंने कैरिबियाई पिचों पर सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।

रोहित शर्मा :

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के टी-20 आंकड़े वेस्टइंडीज की पिचों पर काफी शानदार हैं। रोहित ने वेस्टइंडीज में 6 पारियों में 2 अर्धशतकों की मदद से 185 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 145 .66 का रहा है। उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के पहले मैच मैच में आयरलैंड के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी खेली थी। अब सुपर-8 में वेस्टइंडीज में उनका बल्ला जमकर बोल सकता है।

विराट कोहली :

विराट कोहली का बल्ला भी कैरिबियाई पिचों पर जमकर बोलता है। कोहली ने यहां पर 3 मैचों की 3 पारियों में 37.33 की औसत और 141.77 की स्ट्राइक रेट के साथ 112 रन बनाए हैं। इस दौरान कोहली ने 1 अर्धशतक भी लगाया है। यहां पर उनका बेस्ट स्कोर 59 रन है। न्यूयॉर्क की गेंदबाजों के लिए मददगार रही पिच पर विराट पूरी तरह फ्लॉप रहे। उन्होंने 3 पारियों में केवल 5 रन बनाए। अब वेस्टइंडीज में वो अपने पुराने रंग में लौटते हुए नजर आ सकते हैं।

सूर्यकुमार यादव:

भारतीय क्रिकेट टीम के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज और टी-20 क्रिकेट के इस समय के नंबर 1 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के आंकड़े वेस्टइंडीज में काफी धमाकेदार हैं। सूर्या ने कैरिबियाई पिच पर 6 पारियों में 36 की बेहतरीन औसत और 161.19 की शानदार स्ट्राइक रेट से 216 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 2 अर्धशतक भी जमाए हैं। सूर्या ने यूएसए के खिलाफ मुश्किल हालात में ग्रुप स्टेज के तीसरे मैच में बेहतरीन अर्धशतक लगाया था।

लॉकी फर्ग्यूसन ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने सोमवार को पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए अनोखा रिकॉर्ड बना डाला। न्यूजीलैंड ने पीएनजी को 78 रन पर आउट कर 12.2 ओवर में इस स्कोर

को हासिल कर लिया। इस मुकाबले में लॉकी फर्ग्यूसन ने 4 ओवर में बिना एक भी रन दिए 3 विकेट हासिल की। इसके साथ ही वह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने हैं। फर्ग्यूसन ने 4 ओवर में 24 गेंदें फेंकी और एक गेंद पर रन नहीं दिया। वह कनाड़ा के साद बिन जफर के बाद बिना एक भी रन दिए स्पैल डालने वाले टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास के दूसरे गेंदबाज बन गए हैं।

वोंद्रोसोवा ने जीत के साथ की शुरुआत

बर्लिन। विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने अपने ग्रास कोर्ट सत्र की शुरुआत बर्लिन लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर रेबेका मसारोवा के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ की।

पांचवीं वरीय वोंद्रोसोवा ने रेबेका को 6-4, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वोंद्रोसोवा ने तीन बार रेबेका की सर्विस तोड़ी और फोरहैंड विनर लगाकर जीत हासिल की। चेक गणराज्य की वोंद्रोसोवा ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में भी स्पेन की इस खिलाड़ी को हराया था। वोंद्रोसोवा दूसरे दौर में अन्ना केलिन्सकाया से भिड़ेंगी। पिछले साल वोंद्रोसोवा विंबलडन खिताब जीतने वाली पहली गैरवरीय महिला खिलाड़ी बनीं थी। उन्होंने फाइनल में 2022 की उप विजेता ओन्स जेब्युर को 6-4, 6-4 से हराया था।

भारतीय टीम के नए मुख्य कोच का जल्द एलान संभव

सीएसी ने लिया गंभीर का साक्षात्कार

नई दिल्ली

भारतीय टीम फिलहाल टी-20 विश्व कप में सुपर आठ चरण की तैयारियों में व्यस्त है, लेकिन सभी की नजरें इस बात पर भी टिकी हुई हैं कि राहुल द्रविड़ के बाद टीम का अगला कोच कौन होगा? माना जा रहा है कि पूर्व भारतीय बल्लेबाज गौतम गंभीर इस दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं और मंगलवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के पद के लिए उनका साक्षात्कार लिया है। गंभीर ने वीडियो कॉल के जरिये साक्षात्कार दिया जिसमे अशोक मल्होत्रा शामिल थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, 'हां, गंभीर सीएसी के साथ साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए। आज एक दौर की चर्चा हुई। एक और दौर होने की उम्मीद है।' माना जा रहा है कि गंभीर एकमात्र उम्मीदवार हैं जो दावेदारी में हैं और उनके नाम की घोषणा महज औपचारिकता है जो अगले 48 घंटों में हो सकती है।

तू इंडियन होगा...', नहीं पाकिस्तानी हूं

फैन के कमेंट से भड़का पाक गेंदबाज

हैदराबाद। *T-20 विश्वकप 2024 में सस्ते में निपटी पाकिस्तानी टीम हार के बाद देश और दुनियाभर में खूब आलोचना का शिकार हो रही है। T-20 विश्वकप 2024 में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन ने टीम के कोच गैरी कर्स्टन तक को बोलने पर मजबूर कर दिया। पाक टीम के कोच ने साफ-साफ कह दिया कि टीम में अनुशासन की कमी है और कोई किसी की नहीं सुनता है। अब चारों ओर आलोचना का शिकार हो रही पाकिस्तान टीम के खिलाड़ी भी इससे अछूते नहीं रहे हैं। इधर, अमेरिका में अपनी पत्नी के साथ घूम रहे पाक के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को लेकर चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल हारिस रऊफ अपनी पत्नी संग गार्डन में घूम रहे थे कि तभी किसी ने फैन ने उनपर टिप्पणी कर दी। ऐसे में हारिस रऊफ आगबबूला हुए और पत्नी को छोड़ उसे मारने के लिए दौड़ पड़े।*

फ्रांस ने यूरो कप में ऑस्ट्रिया को 1-0 से हराया

डसेलडोर्फ ।ऑस्ट्रिया के मैक्सिमिलियन वोबर के आत्मघाती गोल की बदौलत फ्रांस ने यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप में ऑस्ट्रिया को 1-0 से हरा दिया। यूरो कप के इस मैच के अंतिम क्षणों में फ्रांस के किलियन एमबापे गेंद पर नियंत्रण पाने की कोशिश में ऑस्ट्रिया के केविन डांसो से टकरा गये और उनकी नाक से खून बहने लगा। चोट से नाज सूज गई तथा एमबापे को मैदान से बाहर जाना पड़ा। चोट के बाद उनका टूर्नामेंट में आगे खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। वोबर, एमबापे का शॉट रोकने के प्रयास किय और आत्मघाती गोल कर बैठे। ऑस्ट्रिया ने एक गोल से पिछडने के बाद बराबरी करने का प्रयास किया लेकिन विफल रहे। मैच के बाद फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा कि अभी हमें यह नहीं पता है कि उनकी चोट कितनी गंभीर है। वह टूर्नामेंट में आगे खेल पाएंगे या नहीं इस बारे में अभी कुछ कहना मुश्किल होगा।

अजेय बढ़त बनाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

बेंगलुरु

पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आज होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाने की कोशिश करेगी। भारत ने पहले मैच में 143 रन से जीत दर्ज की लेकिन टीम कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर चिंतित होगी।
भारत ने पहला मैच स्मृति मंधाना के शतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जीता। बल्लेबाजी में हालांकि उसकी कुछ कमजोरियां खुलकर सामने आई। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का वनडे में लगातार खराब प्रदर्शन है। उन्होंने वनडे में अपना आखिरी अर्धशतक 2022 में लगाया था। पिछले छह मैच में वह दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाई। उन्हें टीम ने अपनी जगह बनाए रखने के लिए बड़ी पारी खेलने की जरूरत है। कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला भी नहीं चल पा रहा है। पिछले 5 मैच में उन्होंने 14, 9, 5, 3 और 10 रन बनाए। चोट से उबर कर वापसी करने वाली शीर्ष क्रम की एक अन्य बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स भी प्रभावित करने में नाकाम रही।

टीम इस प्रकार हैं :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), दयालन हेमलता, राधा यादव, आशा शोभना, श्रेयंका पाटिल, साइका इशाक, पूजा वस्त्रकार, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पुनिया।

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसेन, मिके डी रिडर, सिनालो जाफ्ता, मारिजाने काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, एलिज-मारी मार्ज, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुकुने, नोंडुमिसो शंगासे, डेलमी टकर।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने गैरी कर्स्टन से कहा

'पाकिस्तान में अपना समय बर्बाद मत करो, टीम इंडिया को कोचिंग दो'

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने सोमवार को गैरी कर्स्टन को सलाह दी कि वे पाकिस्तान में अपना समय बर्बाद नहीं करें क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर ने दावा किया था कि बाबर आजम की अगुआई वाली टीम में एकता नहीं है। कर्स्टन ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024

में निराशाजनक अभियान के दौरान एक-दूसरे का समर्थन नहीं करने के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों की आलोचना की और कहा कि उन्होंने किसी टीम में ऐसा विषाक्त माहौल कभी नहीं देखा। कर्स्टन ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में टूर्नामेंट से ठीक पहले पाकिस्तान के मुख्य कोच का कार्यभार संभाला था लेकिन वे निराश हो गए क्योंकि टीम अमेरिका और भारत से हारकर पहले दौर से बाहर हो गई। हरभजन ने मजाक में कर्स्टन से भारतीय टीम के साथ कोचिंग की भूमिका वापस लेने को कहा जिसने उनके नेतृत्व में 2011 में वर्ल्ड कप जीता था। हरभजन ने 'एक्स' पर लिखा, 'वहां अपना समय बर्बाद मत करो गैरी.. टीम इंडिया को कोचिंग देने के लिए वापस आ जाओ।

आईसीसी ने कीनिया के पूर्व क्रिकेटर से संभावित भ्रष्ट पेशकश को लेकर चेताया

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। क्रिकेट में भ्रष्टाचार खेल के प्रशासकों के लिए अब भी बड़ा सरदर्द बना हुआ है, लेकिन यहां टी-20 विश्व कप के दौरान कीनिया के एक पूर्व क्रिकेटर का युगांडा के खिलाड़ी से संभावित भ्रष्ट पेशकश का मामला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) ने तुरंत ही निपटा दिया। यह घटना गयाना में लीग चरण के मैचों के दौरान घटी जहां कीनिया के एक पूर्व तेज गेंदबाज ने अलग-अलग नंबरों से युगांडा की टीम के सदस्य से लगातार संपर्क करने की कोशिश की। युगांडा के खिलाड़ी ने आईसीसी के भ्रष्टाचार निरोधक प्रोटोकॉल का पालन करते हुए वहां मौजूद एसीयू अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने इस पर तुरंत ही कार्रवाई करते हुए सभी एसोसिएट टीमों को कीनिया के इस पूर्व खिलाड़ी से सतर्क रहने को कहा। एक सूत्र ने कहा कि यह हैरानी वाली बात नहीं है कि उस व्यक्ति ने युगांडा की राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी को निशाना बनाया।

T-20 WC : फ्लेमिंग बोले

कुलदीप कर सकते हैं कमाल

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि टी-20 विश्व कप के सुपर 8 के चरण में वेस्टइंडीज की पिचों से टर्न मिलने की संभावना है और ऐसे में विकेट लेने की अपनी क्षमता के कारण बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। भारत अभी तक टूर्नामेंट में तीन तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह तथा दो स्पिनरों रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के साथ मैदान में उतरा है।
फ्लेमिंग ने कहा, 'अगर विकेटों से टर्न मिलता है जैसा कि टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ उम्मीद की जा रही है, तो फिर कुलदीप इसमें विकेट लेने की अतिरिक्त क्षमता जोड़ सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'उनके पास अभी दोनों तरह के संयोजन आजमाने का मौका है जो कि अच्छा है लेकिन खेल में आप लकीर का फकीर बनकर नहीं रह सकते जिससे कि आप परिस्थितियों का फायदा उठाने से

चूक जाओ।' भारत को सुपर 8 में अपना पहला मैच गुरुवार को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना है। भारत अभी तक बाएं हाथ के दो स्पिनर के साथ उतरा है। इनमें अक्षर को सफलता मिली लेकिन जडेजा तीन मैच में केवल तीन ओवर ही कर पाए। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लंबे समय से कोच रहे फ्लेमिंग को एक ही विधा के दो खिलाड़ियों को टीम में रखने में कोई आपत्ति नहीं है।

टी-20 विश्व कप : पीयूष चावला ने कहा

यह भारत का 'सर्वकालिक महानतम' गेंदबाजी आक्रमण

नई दिल्ली। मौजूदा टी-20 विश्व कप में भारत के हरफनमौला प्रदर्शन की हर तरफ से प्रशंसा हो रही है। पूर्व भारतीय स्पिनर पीयूष चावला ने मौजूदा गेंदबाजी लाइन-अप को 'सर्वकालिक महानतम' करार दिया है। चावला ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत का गेंदबाजी आक्रमण दुनिया में शीर्ष पर पहुंच गया है। अनुभवी गेंदबाज ने जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या की तेज गेंदबाजी चौकड़ी के साथ-साथ स्पिनर कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल और अक्षर पटेल को इसे

बेहतरीन गेंदबाजी इकाई बनाने का श्रेय दिया। टी-20 विश्व कप में अब तक भारतीय गेंदबाजों ने पाकिस्तान के खिलाफ मेगा मुकाबले सहित कम स्कोर वाले मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन किया है। चावला ने कहा, 'पिछले कुछ सालों से भारत का गेंदबाजी आक्रमण वास्तव में बदल गया है। अब हमारे पास दुनिया की सबसे पूर्ण और दुर्जेय गेंदबाजी इकाइयों में से एक है, जिसने टीम को संतुलन प्रदान किया है जिससे बल्लेबाजों को अपना स्वाभाविक खेल खेलने की अधिक स्वतंत्रता मिली है।

वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान विशाल को अंतर से हराया

ग्रॉस आइलेट

निकोलस पूरन (98) रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी और उसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर वेस्टइंडीज ने टी-20 विश्वकप के 40वें मुकाबले में अफगानिस्तान को 104 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज शुरुआत अच्छी नहीं रही और अजमतउल्लाह उमरजई ने ब्रैंडन किंग (7) को बोल्ड कर अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये निकोलस पूरन ने जॉनसन चार्ल्स के साथ तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिये 80 रनों की साझेदारी हुई। आठवें ओवर में नवीन उल हक ने जॉनसन चार्ल्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। जॉनसन चार्ल्स ने 27 गेंदों में आठ चौके लगाते हुए (43)की पारी खेली। 13वें ओवर में शे होप 17 गेंदों में (25) रन बनाकर आउट हुये। कप्तान रोवमन पॉवेल ने 15 गेंदों में (26) रन बनाये। 20वें ओवर की चौथी गेंद पर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से निकोलस पूरन रन आउट हो गये। उन्होंने 53 गेंदों में छह चौके और आठ छक्के लगाते हुए 98 रनों की पारी खेली। आंद्रे रसल (3) और शरफेन रदरफोर्ड (1) रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 218 रन का स्कोर खड़ा किया। यह टी-20 विश्वकप का सबसे बड़ा स्कोर है। अफगानिस्तान की ओर से गुलबदीन नईब ने दो विकेट लिये। नवीन उल हक और अजमतउल्लाह उमरजई ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। 219 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत भी खराब रही और उसने पहले ही ओवर में रहमानउल्लाह गुरबाज (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये गुलबदीन नईब भी (7) रन बनाकर पैवेलियन लौट गये।

कई ऐसे काम होते हैं जो काफी दिनों से पेंडिंग होते हैं जिन्हें समय न मिलने की वजह से लटकाये रखना पड़ता है उन्हें भी छुट्टी में किया जा सकता है।

छुट्टी का यूज

HOLIDAY को निपटा दें ये जरूरी काम

जैसे- छुट्टी को आप घर पर ही पॉर्लर प्रोग्राम चला सकती हैं और सारी यूटी वाले काम कर सकती हैं। बालों में कलर लगाना, पैडीयोर करना आदि। इससे आपको रिलैस भी रहेगा और आपका काम भी निपट जाएगा।

कई ऐसे काम भी होते हैं जो काफी दिनों से पेंडिंग होते हैं जिन्हें समय न मिलने की वजह से लटकाये रखना पड़ता है उन्हें भी किया जा सकता है। आप पूरे परिवार को उसमें लगा सकते हैं और उनकी मदद से चुटकियों में ये सारे काम निपटा सकते हैं।

छुट्टी मस्ती भरा दिन होता है। इस दिन आपको कोई बोझ लगने वाला काम नहीं करना होता, आप अपनी मर्जी के मालिक होते हैं। लेकिन अगर आपको पूरा एक दिन मिलता है तो क्यों न उसका सदुपयोग कर लिया जाएं।

काम आपको आम दिनों में काफी सहायता पहुँचाते हैं और आपकी छुट्टी भी खराब नहीं होती है। आइए जानते हैं छुट्टी में क्या यूजफूल काम करने चाहिए:

1. फ्रिज की सफाई

छुट्टी के दिन फ्रिज को पूरा साफ करें। फ्रीजर से लेकर कंडी तक को अच्छे से साफ करें। गंदे पानी को निकाल दें और साफ कपड़े से पोंछ दें। इससे फ्रिज में खाने के सामान को रखने में हाईजीन बनी रहेगी। वैसे भी फ्रिज का ऑलटाइम साफ रहना बेहद जरूरी होता है।

2. टॉयलेट सीट की सफाई

टॉयलेट सीट को हर संडे साफ करना बेहद जरूरी होता है वरना संक्रमण होने का डर रहता है। अच्छी क्लीनिंग एजेंट डालकर उसे साफ कर दें। इससे आपको भी फ्रेश होने जाने में अच्छा लगेगा।

3. स्टडी टेबल की सफाई

स्टडी टेबल में सबसे ज्यादा कचरा होता है। बेकार की पर्ची, पेपर आदि को फेंक दें। सही सामान ही रखें। अखबार या पेपर को बदल दें। गीले कपड़े से पोंछ दें और डस्ट हटा दें।

4. वॉर्डरोब की सफाई

कपडों की अलमारी को छुट्टी के दिन लगाना बेस्ट ऑप्शन होता है। हर कैटेगरी के कपडे को अलग हिसाब से रखें। इससे आपको रेगुलर दिनों में ढूंढने में दिक्कत नहीं होगी।

5. माइक्रोवेब साफ करना

एक माईक्रोवेब कटोरे में सिरका और पानी लें और उच्च तापमान पर माईक्रोवेब में ही गर्म करें और फिर उसे खोलें, अंदर भाप भर जाती है उसे पोंछ लें और पूरे माईक्रोवेब को साफ से पोंछ दें। इससे पूरी तरह साफ हो जाएगा और बदबू भी भाग जाएगी।

6. बुकशेल्फ की सफाई

छुट्टी के दिन बुकशेल्फ को सही से लगा सकते हैं। बेकार की किताबों को निकालकर किसी और दे सकते हैं। रद्दी को अलग करके उसे बेच सकते हैं। इससे आपको अगली बार किताब पढ़ने के लिए ढूंढने में दिक्कत नहीं होगी।

7. पंखों की सफाई

घर के पंखों को सफाई की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है क्योंकि वही सबसे ज्यादा गंदे होते हैं। छुट्टी के दिन सभी लोग घर में होते हैं तो स्टूल पर चढ़कर सफाई करने में कोई दिक्कत भी नहीं होगी।

महंगे पर्दे खरीदना मुश्किल है तो अपनाएं ये सस्ते तरीके

INTERIOR

घर की सजावट में पर्दों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। पर्दो से घर की दीवारों, दरवाजे-खिड़कियों और फर्नीचर की शोभा बड़ जाती है। इतना ही नहीं पर्दे कमरो के पार्टिशन और प्राइवेसी बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कई बार पर्दे बाजार से खरीदना या ऑनलाइन मंगवाना महंगा पड़ता है लेकिन अगर आप खुद पर्दे बनाएंगी तो यह सस्ता पड़ेगा। पर्दो के लिए आपको बाहर से महंगा कपड़ा खरीदने की जरुरत नहीं। आज हम आपको कुछ ऐसे कपड़ों के बारे में बताएंगे जिन से आप घर बैठे सस्ते और आसानी से पर्दे बना सकती हैं।।

साड़ी

अगर आपके घर में पुरानी साड़ियां हैं और आप उनका इस्तेमाल नहीं करती हैं तो आप इनका पर्दे बनाने में इस्तेमाल कर सकती हैं। सिल्क साड़ियों से बने पर्दे घर को बहुत आकर्षक लुक देते हैं। सिंगल टोंड शिफॉन की साड़ी पर्दो के लिए सबसे अच्छी होती हैं क्योंकि यह घर के फर्नीचर से मिक्स एंड मैच हो जाएंगी।

दुपट्टा

सलवार कमीज के साथ मिलने वाले दुपट्टे अक्सर सलवार कमीज के खराब हो जाने के बाद भी अच्छे से रहते हैं। इन्हे आप घर में पर्दे बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। क्योंकि यह कई सारे रंगो और शेड्स में आते हैं।

स्टॉल्स

स्टॉल्स ज्यादातर एक ही रंग के होते हैं जिन्हे हम गाउन और साड़ी के साथ पहनते हैं। इन्हे आप दूसरे पर्दो के साथ मिला कर पुराने पर्दो को और खूबसूरत बना सकती हैं। इसके लिए आपके पास बहुत सारे स्टॉल्स होने चाहिए।

चादरें

पुरानी चादरों से आप घर के लिए सबसे सस्ते पर्दे बना सकती हैं। आप दो से तीन चादरों को मिक्स करके नए पर्दे बना सकती हैं।

कपड़े के अस्तर

अगर आप अपने घर को कंट्री साइड सम्मेरी लुक देना चाहते हैं जिससे घर में धूप और रोशनी अच्छे से आए तो आप अपनी ड्रेस के अस्तर का इस्तेमाल पर्दे बनाने में कर सकती हैं।

मेज़पोश

अगर आप सोच रही हैं कि क्रोशिया के पर्दे कैसे लगेंगे तो मेज़पोश घर को काफी आर्टिस्टिक लुक देंगे। इसके अलावा मेजपोश के पर्दे बिल्कुल अलग व बहुत खूबसूरत लगते हैं।

2 चम्मच सरसों के तेल में हल्दी मिला कर खाएं होंगे ये 6 फायदे

अपनी निजी जिंदगी में हम सभी किसी ना किसी रोग से पीडित हैं। चाहे वह कज, भूख ना लगना, अस्थमा या हृदय से संबंधित बीमारी ही यूं ना हो। इन बीमारियों को ठीक करने के लिये हम अच्छे खासे पैसे भी खर्च करते हैं मगर उससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता। हम आपको बताना चाहेंगे कि हमारे किचन में ही कुछ ऐसी सामग्रियां रखी हैं, जो दवाइयों को भी फेल कर सकती हैं।

कहने का मतलब है कि सरसों का तेल और हल्दी तो हर किचन में मौजूद होता है। बस 2 टीस्पून सरसों के तेल में 1 टीस्पून हल्दी मिला कर 2 मिनट तक गरम कीजिये और फिर इसे एक चम्मच में डाल कर मुंह में डाल लीजिये। ऐसा हफ्ते में तीन बार खाना खाने के बाद करें। यह मिश्रण आपको किन -किन बीमारियों से राहत दिलाता है, आइये जानते हैं इसके बारे में -

भूख को उत्तेजित करे: इसका सेवन करने से पेट में खाना पचाने वाले जूस का प्रोडक्शन तेज हो जाता है, जिससे आपको अच्छी भूख लगने लगती है।

कब्ज से राहत दिलाए: अगर कब्ज की शिकायत है तो हल्दी और सरसों के तेल का नियमित सेवन करना चाहिये।

दिल के लिये लाभकारी: ये दो सामग्रियां शरीर से खराब कोलेस्ट्रॉल को निकालती हैं, जिससे हृदय तक खून का फ्लो अच्छा हो जाता है।

कैंसर से बचाए: इस घरेलू उपचार से शरीर में बनने वाली कैंसर की सेल्स का विकास होता है क्योंकि इनमें phytonutrients और एंटीऑक्सीडेंट काफी भारी मात्रा में पाया जाता है।

अस्थमा से राहत दिलाए: इसके सेवन से फेफड़ों की जकड़न दूर होती है और अस्थमा से राहत मिलती है।

शारीरिक दर्द से छुटकारा दिलाए: ये दोंनो मिश्रण जब एक साथ मिलते हैं तो इनमें सूजन को खत्म करने वाला गुण पैदा होता है। यह शरीर के किसी भी हिस्से से दर्द और सूजन को कम कर सकते हैं।

रोचक तथ्य

जैसा कि हम जानते हैं कि डाइबिटीज चयापचय की वह स्थिति होती है जिसमें शरीर पर्याप्त इन्सुलिन का उत्पादन नहीं कर पाता या इन्सुलिन को अच्छी तरह अवशोषित नहीं कर पाता।

प्री डायबिटीज के बारे में रोचक तथ्य जिनके बारे में आपको जरुर जानना चाहिए

प्री डायबिटीज के कई लक्षण है जैसे ब्लड शुगर का स्तर बढ़ना जिसके कारण व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। यद्यपि आज तक डाइबिटीज के लिए कोई उपचार उपलब्ध नहीं है परन्तु इसके लक्षणों का प्रभावी उपचार किया जा सकता है। प्रीडाइबिटीज ऐसी स्थिति होती है जिसमें ब्लड शुगर बहुत अधिक होती है परन्तु इतनी भी अधिक नहीं होती कि यह पूर्ण रूप से डाइबिटीज की ओर संकेत करे। हालाँकि इससे प्रभावित व्यक्ति में कुछ निश्चित अनैच्छिक लक्षण देखने को मिलते हैं। यदि प्रीडाइबिटीज का उपचार नहीं किया गया तो कुछ साल बाद यह टाइप 2 के डाइबिटीज में बदल जाता है और फिर ठीक होने की कोई संभावना नहीं होती।

अत: प्रीडाइबिटीज के लक्षणों के बारे में जानना और डॉक्टर से तुरंत उपचार लेना बहुत महत्वपूर्ण है। यहाँ प्रीडाइबिटीज के बारे में कुछ रोचक तथ्य बताए गए हैं जिनके बारे में आपको अवश्य जानना चाहिए। आइए देखें।

तथ्य #1

प्रीडाइबिटीज के कुछ सामान्य लक्षणों में अधिक भूख लगना, अधिक प्यास लगना, वजन बढ़ना, लगातार पेशाब आना, पेट बढ़ना, कम दिखाई देना आदि शामिल हैं।

तथ्य #2

प्रीडाइबिटीज के बारे में एक सामान्य तथ्य यह है कि इसके कारण टाइप 2 डाइबिटीज, हृदय से संबंधित बीमारियाँ तथा आँख से संबंधित बीमारियाँ हो सकती हैं।

तथ्य #3

प्रीडाइबिटीज के अन्य लक्षणों में एक अन्य लक्षण यह है कि इससे प्रभावित व्यक्ति के शरीर में ग्लूकोज के प्रति सहनशीलता खराब हो जाती है जिसके कारण रक्त में ग्लूकोज का स्तर बहुत अधिक होता है।

तथ्य #4

प्रीडाइबिटीज के लक्षणों में वजन बढ़ना भी शामिल है जिसके कारण टाइप 2 डाइबिटीज हो सकता है। अत: विशेषज्ञ यह सलाह देते हैं कि जिन लोगों को डाइबिटीज हैं उन्हें अपने वजन को संतुलित रखना चाहिए।

तथ्य #5

प्रीडाइबिटीज के बारे में एक और रोचक तथ्य में स्वस्थ आंत जीवाणु का सिद्धांत भी शामिल है। एक अध्ययन से पता चला है कि यदि आपकी आंत में स्वस्थ बैक्टीरिया है तो खतरा कम होता है।

तथ्य #6

वर्तमान में किये गए एक अध्ययन के अनुसार तनाव या अत्याधिक मानसिक दबाव वाले काम के कारण भी प्रीडाइबिटीज और इसके लक्षण दिखाई देते हैं। अत: यह तनाव को दूर करने का समय है।

तथ्य #7

प्रीडाइबिटीज के विषय में एक तथ्य यह है कि जिन लोगों का ब्लड ग्रुप ओ+ होता है उन्हें टाइप 2 डाइबिटीज होने की संभावना बहुत कम होती है भले ही वे प्रीडाइबिटीक हों।

सेहत से भरे टेस्टी ओट्स दही बड़े

सामग्री-
2 कप ओट्स, पानी, दही, नमक, लाल मिर्च पाउडर, 1/2 कप उड़द की दाल, हरी मिर्च, करी पत्ते, नारियल के टुकड़े, चना दाल, तेल, मिर्च पाउडर, 1/2 कप मूंग की दाल, खजूर और इमली की चटनी, हरी चटनी

विधि-
सबसे पहले उड़द की दाल और मूंग की दाल को रातभर के लिये पानी में भिगो दें। दूसरे दिन इसमें थोड़ा सा पानी मिला कर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। ओट्स को पावडर बना लें और इसे मूंग दाल की पेस्ट में मिक्स कर दें। फिर इसमें महीन कटे हुए नारियल के टुकड़े, करी पत्ते, हरी मिर्च और नमक मिलाए। अब एक पैन में दो बूंद तेल गरम करें। उसमें उड़द दाल और चना दाल रोस्ट करें। जब यह रोस्ट हो जाएं तब इन्हें मूंग दाल वाले पेस्ट में मिला दें। अब इस पेस्ट से बड़े बनाइये और गरम तेल वाली कढ़ाई में डीप फ्राई कीजिये। तले हुए बड़ों को निकाल कर गरम पानी में 10 मिनट के लिये भिगो कर रखें। तब तक दूसरी ओर आप दही और नमक को फेंट लें (शक्कर भी मिलाया जा सकता है। बड़ों को पानी से निकाल कर दबाएं और उन्हें दही में मिलाएं। ऊपर से मीठी चटनी, लाल मिर्च पावडर डाल कर सर्व करें।

recipe

बड़ी ही टेस्टी है क्रिस्पी अरबी की सब्जी

आलू की सब्जी की ही तरह आप अरबी की सब्जी भी बना सकती हैं। यह टेस्ट में काफी अच्छी होती है और आप इसे दाल चावल या फिर पराठे के साथ खा सकती हैं। यह पूरी तरह से सूखी होती है इसलिये यह काफी आसानी से लंच बॉक्स में पैक की जा सकती है। हम इसे थोड़ा अलग ढंग से बनाएंगे और इसमें पोहा मिक्स करेंगे जिससे यह और भी ज्यादा क्रिस्पी हो जाएगी। तो देर मत कीजिये और जानिये कि इसे कैसे बनाते हैं।

कितने- 4 सदस्यों के लिये
तैयारी में समय- 15 मिनट, पकाने में समय- 25 मिनट

सामग्री- 1/2 किलो अरबी, 1 कप पोहा या चूड़ा, 3 सूखी लाल मिर्च, 1/4 छोटा चम्मच हींग, 1 चम्मच हल्दी पाउडर, 1 चम्मच राई, 2 बड़े चम्मच तेल, नमक स्वाद अनुसार

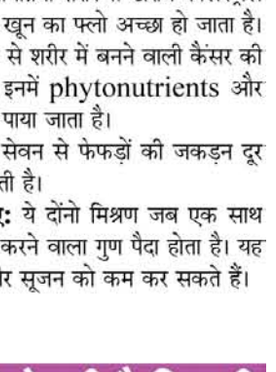

बनाने की विधि- अरबी को अच्छी प्रकार से धो लीजिये। फिर प्रेशर कुकर में पानी डाल कर 2 सीटी आने तक पका लीजिये। फिर इसे छील कर द इंच की मोटाई में काट लीजिये। फिर किनारे रख दीजिये। फिर पोहा, लाल मिर्च, हींग और हल्दी पावडर को मिक्स कर के ग्राइंड कर लीजिये। और किनारे रख दीजिये। पैन में तेल गरम कीजिये, जीरा डालिये। फिर इसमें अरबी, नमक और पिसे मसाले मिलाइये। इसे चलाइये और कुरकुरा पकाइये। उसके बाद इसे सर्व कीजिये।

सलमान संग फिल्म बनाएंगे 'जवान' के डायरेक्टर एटली

शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान से धमाका करने बाद एटली अब बॉलीवुड एक और सुपरस्टार सलमान खान के साथ फिल्म करने जा रहे हैं। मीडियो रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्लू अर्जुन ने एटली की फिल्म को ठुकरा दिया है और वहीं, एटली की इस फिल्म को सलमान खान का अप्रूवल मिल गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो एटली ने अल्लू अर्जुन के साथ फिल्म करने के लिए मोटी फीस की मांग की है।

रिपोर्ट्स की मानें तो यह फीस 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की बताई जा रही है और वहीं, दूसरी ओर कहा जा रहा है कि सलमान के हां करते ही अल्लू अर्जुन की इस फिल्म से छुट्टी हो गई है। इस बारे में अभी शंका के बादल साफ नहीं हुए हैं कि एटली बॉलीवुड स्टार सलमान खान और साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ जो फिल्म करने जा रहे थे वो अलग-अलग है या फिर एक ही फिल्म है। खैर, अब एटली सुपरस्टार सलमान खान के साथ अपनी फिल्म को अगले साल शुरू करने जा रहे हैं। वहीं, सलमान खान 18 जून से अपनी एक्शन फिल्म सिकंदर की शूटिंग शुरू कर दी हैं। बता दें, अभी तक इस खबर पर एटली, सलमान खान और अल्लू अर्जुन का कोई रिएक्शन नहीं आया है। वहीं, फिल्म मेकर्स सन पिक्चर्स ने भी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की है।

शाहरुख और दीपिका बने हाईएस्ट पेड एक्टर

फोर्ब्स 2024

बॉलीवुड की स्टार जोड़ी (शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण) ने फिल्म इंडस्ट्री में कमाई के मामले में सभी को पीछे छोड़ दिया है। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ सिनेमाई स्टार्स को भी कमाई में पीछे छोड़ लिस्ट में सबसे ऊपर आ गए हैं। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण साल 2024 के हाईएस्ट पेड एक्टर्स बनकर सामने आए हैं। आइए जानते हैं कमाई की लिस्ट में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण ने किन-किन स्टार्स को धूल चटाई है।

शाहरुख खान

वहीं, बॉलीवुड और साउथ स्टार्स में शाहरुख खान ने कमाई के मामले में सभी को पीछे छोड़ दिया है। फोर्ब्स और आईएमडीबी के आंकड़ों के मुताबिक, शाहरुख खान (150 से 250 करोड़), रजनीकांत (150 से 210 करोड़), थलापति विजय (130 से 200 करोड़), प्रभास (100 से 200 करोड़), वहीं, टॉप 5 की रेस से सलमान खान बाहर हैं और पांचवें नंबर पर आमिर खान (100 से 175 करोड़) चार्ज करते हैं। सलमान खान (100 से 150 करोड़), कमल हासन (100 से 150 करोड़), अल्लू अर्जुन (100 से 125 करोड़) चार्ज करते हैं। 10वें नंबर पर अक्षय कुमार जो कि एक फिल्म के लिए 60 से 145 करोड़, साउथ सुपरस्टार अजीत (105 करोड़) बतौर फीस लेते हैं। हमार महानगर कमाई के इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं करता है।

दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड की 'पद्मावती' दीपिका पादुकोण इन दिनों अपने प्रेग्नेंसी पीरियड को इन्जॉय कर रही हैं और एक्ट्रेस आगामी सितंबर महीने में पहली बार मां बनने जा रही हैं। इस गुडन्यूज से पहले दीपिका के फैंस को बता दें कि उनकी चहेती एक्ट्रेस कमाई में बहुत आगे निकल गई हैं। कमाई में दीपिका ने आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ और ऐश्वर्या रॉय जैसी टॉप एक्ट्रेस को पछाड़ दिया है। फोर्ब्स की एक लिस्ट के अनुसार, दीपिका एक फिल्म के लिए बतौर फीस 15 से 30 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं, जो एक्ट्रेस की फीस के लिहाज से बहुत ज्यादा है। दूसरे नंबर पर कंगना रनौत हैं, जो 15 से 27 करोड़ रुपये लेती हैं। इसके बाद प्रियंका चोपड़ा तीसरे स्थान पर हैं। प्रियंका एक फिल्म के लिए 15 से 25 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। कैटरीना कैफ 15 से 20 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं और लिस्ट में उनका चौथा स्थान है। आलिया लिस्ट में पांचवें नंबर पर हैं और वह एक फिल्म के लिए बतौर फीस 10 से 20 करोड़ रुपये लेती हैं।

सिंगर अलका याग्निक हुईं रेयर बीमारी का शिकार

अपनी मधुर आवाज से संगीत जगत पर राज करने वालीं गायिका अलका याग्निक ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी हेल्थ से जुड़ा एक पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट के जरिए सिंगर ने खुलासा किया है कि कुछ हफ्ते पहले उन्हें अचानक सुनाई देना बंद हो गया था और इसके चलते डॉक्टरों ने उन्हें लाउड म्यूजिक से दूर रहने की सलाह दी है। वहीं। दिग्गज सिंगर सोनू निगम समेत कई गायकों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। सिंगर अलका याग्निक ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर के साथ एक लंबा पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में सिंगर ने अपनी हेल्थ के बारे में जानकारी दी है।

उन्होंने कैप्शन में खुलासा करते हुए लिखा। 'मेरे सभी फैंस। फ्रेंड्स। फॉलोअर्स और शुभचिंतकों के लिए। कुछ सप्ताह पहले। जब मैं फ्लाइट से उतरी थी। तो मुझे अचानक लगा कि मैं कुछ भी सुन नहीं पा रही हूं। इस घटना के कुछ हफ्तों बाद मैं साहस जुटाकर अपने सभी फ्रेंड्स को बताना चाहती हूं। जो मुझसे पूछ रहे हैं कि मैं आखिर इतने दिनों से कहां हूं। मैं बता दूं कि इन दिनों मैं कुछ भी करने में असमर्थ हूं। क्योंकि जब मैंने चेकअप कराया तो डॉक्टर ने बताया कि मुझे रेयर न्यूरल हियरिंग लॉस हुआ है। यानि मैं सुन नहीं पा रही हूं। इस खुलासे के बाद से मैं टेंशन में हूं। सिंगर ने आगे लिखा है। 'जैसा कि मैं इससे उबरने की कोशिश कर रही हूं। कृप्या मेरे लिए प्रार्थना करें। मैं अपने फैंस और सभी सिंगर्स को बताना चाहती हूं कि लाउड वॉयस से दूर रहें। एक दिन। मैं अपनी हेल्थ के बारे में शेयर करूंगी। आपके सपोर्ट और प्यार के साथ मैं आशा करती हूं कि मैं जल्द अपने काम पर लौटूंगी। इस दुखद घड़ी में आपका साथ और आपका मुझे समझना मेरे लिए बहुत मायने रखता है'।

8 साल की उम्र में घर से भाग गए थे दिलजीत

जाबी स्टार दिलजीत दोसांझ की कामयाबी का सितारा सातवें आसमान पर है। दिलजीत एक शानदार सिंगर होने के साथ-साथ एक मजेदार एक्टर भी हैं और इन दिनों वह अपनी फिल्म 'जट एंड जूलियट 3' से चर्चा में हैं। यह फिल्म बहुत जल्द रिलीज होने जा रही है। वहीं, आज दिलजीत का एक गाना 'भैरवा एंथम', जोकि साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी का है, रिलीज हो गया है।

फिल्म की प्रमोशन के दौरान दिलजीत ने अपनी पर्सनल लाइफ पर चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक पोडकास्ट में दिलजीत दोसांझ ने खुलासा किया है कि वह एक लड़की के चक्कर में 8 साल की उम्र में घर छोड़कर भाग गए थे। पंजाबी स्टार ने बताया कि स्कूल टाइम में सीनियर्स ने उनसे उनकी पसंदीदा लड़की के बारे में पूछा था और उन्होंने बताया तो फिर सीनियर्स ने उन्हें प्यार का इजहार करने के लिए भेजा। 8 साल की नादान उम्र में दिलजीत उस लड़की के पास जाकर उसे प्रपोज कर दिया, लेकिन लड़की इससे नाखुश होकर टीचर के पास चली गई। वहीं, टीचर ने दिलजीत को अगले दिन अपने पेरेंट्स के साथ आने को कहा और सिंगर इस बात से डर गए और दिलजीत घर पहुंचकर भागने का प्लानिंग करने लगे। दिलजीत ने दो केले लिए और साइकिल

उठाई फिर घर से दूर निकल गए। वहीं, जब दिलजीत को गांव से साइकिल दौड़ाकर भाग रहे थे, एक पड़ोसी ने उन्हें देखा और कहा कि कहां जा रहे है, चल घर। इसके बाद वह घर से भागने के 5 मिनट के अंदर उल्टे पांव हो लिए। वहीं, पेट दर्द का बहाना बनाकर दिलजीत दो से चार से दिनों तक स्कूल नहीं गए और टीचर भी उस बात को भूल गईं। बता दें, दिलजीत दोसांझ, सोनम बाजवा, नीरू बाजवा स्टारर पिल्म जट एंड जूलियट 28 जून को रिलीज होने जा रही है।

सोनाक्षी और जहीर ने दोस्तों संग की बैचलर पार्टी

सोनाक्षी सिन्हा की कतिथ शादी की डेट नजदीक आ रही है। सोनाक्षी सिन्हा आगामी 23 जून को अपने कथित बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से शादी रचाने जा रही हैं। कपल और उनकी फैमिली ने अभी तक इनकी शादी की खबर पर मुहर नहीं लगी है और इधर सोनाक्षी सिन्हा की बैचलर पार्टी की तस्वीरें सामने आई हैं। सोनाक्षी सिन्हा की बैचलर पार्टी में एक्ट्रेस की स्टार दोस्त हुमा कुरैशी समेत कई सहेलियां पार्टी करती नजर आ रही हैं। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने अपनी-अपनी बैचलर पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं।

सोनाक्षी की बैचलर पार्टी में वह और उनकी सभी सहेलियां ब्लैक ड्रेस कोड में दिख रही हैं। वहीं, सोनाक्षी की फिल्म डबल एक्सएल की को-स्टार हुमा कुरैशी भी बैचलर पार्टी में नजर आ रही हैं। सोनाक्षी ने अपनी तस्वीरें शेयर कर कैप्शन में 17.06.2024 डेट मेंशन की है। वहीं, कतिथतौर पर दुल्हन बनने जा रहीं सोनाक्षी सिन्हा एक तस्वीर में पार्टी में आए सभी दोस्तों के साथ एक शानदार पिक्चर क्लिक करवाई है। पार्टी में सोनाक्षी सिन्हा डीप प्लंजिंग नेकलाइन मिनी शिमरी ड्रेस में ग्लैमरस लुक में देखा जा रहा है। वहीं, सोनाक्षी ने अपने इस किलर

लुक को विंग्ड आईलाइनर और न्यूड लिपस्टिक से कंप्लीट किया है। वही, पार्टी में सोनाक्षी की सभी सहेलिया हॉट एंड गॉर्जियस लुक में दिख रही हैं।

'कियारा आडवाणी बहुत घमंडी हैं'

कियारा आडवाणी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे सफल एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वहीं सोशल मीडिया पर भी उनकी फैन फॉलोइंग जबरदस्त है उन्होंने कई फिल्मों में अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंसेंस से करोड़ों लोगों का दिल जीता है। लेकिन एक बात से उनके फैंस का दिल टूट सकता है। दरअसल हाल ही में एक फ्लाइट अटेंडेंट ने कियारा को घमंडी बता दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है जिसमें एक फ्लाइट अटेंडेंट अपने इंटरव्यू में कह रही हैं कि कियारा में बहुत एटीट्यूड है।

उन्होंने बताया कि जब कियारा फ्लाइट में सफर कर रही थीं चब उनके क्रू ने एक्ट्रेस को काजू-बादाम ऑफर किए। जिस पर उनका रिस्पॉन्स बिल्कुल भी अच्छा नहीं था। एयर होस्टेस ने कहा कि उनकी कियारा से आमने-सामने कोई बात नहीं हुई लेकिन उनके क्रू ने उन्हें एक्ट्रेस के बिहेवियर के बारे में बताया। कियारा ने डायरेक्ट कहा कि नहीं मेरे असिस्टेंट को बुलाओ वही मुझे काजू देंगे। एयर होस्टेस ने आगे बताया कि जाह्नवी कपूर बहुत स्वीट हैं उन्हें हमने सोते हुए भी उठाया था लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं हुई और उन्होंने हमसे अच्छे से बात भी की। वहीं अनन्या पांडे भी काफी स्वीट और फनी हैं। फ्लाइट अटेंडेंट ने अनन्या पांडे से जुड़ा एक फनी किस्सा भी सुनाया कि जब फ्लाइट लैंड करने वाली थी तभी अनन्या को वॉशरूम जाना था और उन्होंने कहा मुझे सच में जाना है मैं इसे और हैंडल नहीं कर सकती।

करीना संग दिखेंगे आयुष्मान

सैम बहादुर, तलवार, 'राजी' और 'छपाक' जैसी दमदार फिल्में देने के बाद अब मेघना गुलजार एक और फिल्म 'दायरा' ला रही हैं। दायरा भी एक सच्ची घटना पर आधारित फिल्म है। फिल्म का नाम दायरा है, जिसकी स्क्रिप्ट तैयार हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'दायरा' एक रेप केस पर बेस्ड डार्क स्टोरी फिल्म है। फिल्म में करीना कपूर खान और आयुष्मान खुराना लीड रोल में होंगे। गौरतलब है कि साल 2019 में हैदराबाद में एक रेप की घटना हुई थी, जिसकी सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने साल 2022 में इस केस के चारों आरोपियों पर हत्या के इरादे से गोली चलाने के आरोप में 10 पुलिस अफसरों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीना और आयुष्मान खुराना इस फिल्म के लिए राजी हो गए हैं। इस फिल्म पर पेपरवर्क जारी है। मेघना गुलजार फिल्म 'दायरा' को साल 2025 में रिलीज करने की तैयारी में हैं। ऐसे में वह मौजूदा साल (2024) के अंत तक फिल्म को फ्लोर पर ले आएंगी। बता दें, यह पहली बार होगा, जब करीना कपूर खान और आयुष्मान खुराना साथ में काम करेंगे।

'इंडियन 2' की रिलीज डेट की अफवाहों पर मेकर्स की सफाई

साउथ मेगास्टार कमल हासन अपनी आगामी फिल्म 'इंडियन 2' की रिलीज के लिए तैयार है। यह फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हाल ही में, सोशल मीडिया पर चर्चा थी कि 'इंडियन 2' को अगस्त तक के लिए टाला जा सकता है, जिसका लक्ष्य स्वतंत्रता दिवस के वीकेंड पर रिलीज करना है। हालांकि, फिल्म मेकर्स ने अपने लेटेस्ट पोस्ट के माध्यम से निर्णायक रूप से

प्रतिक्रिया दी है, जिसमें पुष्टि की गई है कि बहुप्रतीक्षित, मेगा-बजट फिल्म 12 जुलाई को रिलीज होगी। 'इंडियन 2' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज को लेकर सोशल मीडिया पर कई पोस्ट साझा किए हैं। इन पोस्ट के जरिए उन्होंने बताया कि फिल्म इसी साल 12 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'इंडियन 2' तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषाओं में रिलीज होगी। मेकर्स ने फिल्म के बारे में रेगुलर अपडेट शेयर करके फिल्म का प्रमोशन शुरू कर दिया है।

'कृष' के बाद एक बार फिर दुनिया बचाएंगे ऋतिक

ऋतिक रोशन 'फाइटर' के बाद नए प्रोजेक्ट की तैयारी में जुटे हुए है। 'फाइटर' खत्म करके वो अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बन रही 'वॉर 2' में लग गए। इस फिल्म की शूटिंग भी उन्होंने शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि वो इसकी शूटिंग भी इसी साल सितंबर में खत्म कर सकते हैं और फिल्म अगले साल तक सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। उनकी ये फिल्म अभी खत्म भी नहीं हुई और उन्होंने अपने अगले प्रोजेक्ट की तैयारी भी शुरू कर दी है। इसके लिए उन्होंने डारेक्टर कबीर खान से हाथ मिलाया है। कबीर खान ने सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्मों का निर्देशन किया है। इनमें 'एक था टाइगर' और 'बजरंगी भाईजान' जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं। इसके साथ ही कबीर खान ने जॉन अब्राहम की 'न्यूयॉर्क' और रणवीर सिंह की स्पोर्ट्स बायोपिक '83' को भी डायरेक्ट किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अब ऋतिक रोशन उनके साथ काम करने वाले हैं। उन्होंने कबीर खान के साथ पिछले कुछ महीनों में कई बार मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि प्रोजेक्ट को लेकर अभी

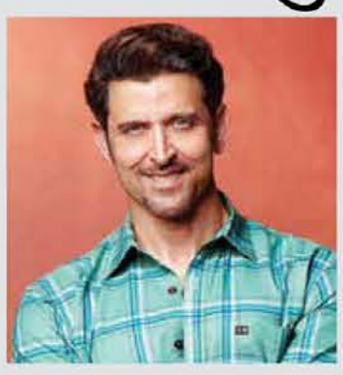

बातचीत शुरुआती फेज में है। ऋतिक और कबीर कई आइडिया पर चर्चा भी कर रहे हैं। आमतौर पर ऐसा देखा गया है कि ऋतिक रोशन किसी भी प्रोजेक्ट को करने से पहले डायरेक्टर के साथ टाइम स्पेंड करते हैं और बातचीत करते हैं। रिपोर्ट्स की माने तो उनके इस प्रोजेक्ट को लेकर सभी चीजें पॉजिटिव वे में चल रही हैं। हालांकि दोनों के कॉलैबरेशन को लेकर अभी कुछ खास जानकारी नहीं दी गई है। माना जा रहा है कि ऋतिक और कबीर जिस प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं, वो एक पोस्ट-एपोकैलिप्टिक थ्रिलर है। यानी ऐसा संभव है कि वो 'कृष' के बाद एक बार फिर दुनिया बचाने निकलें। हालांकि ये सिर्फ एक अनुमान है। ये प्रोजेक्ट एक हॉलीवुड फिल्म पर बेस्ड है, जिसके लिए ऋतिक ने पहले ही वैसे राइट्स हासिल कर लिए हैं। अगर ये प्रोजेक्ट बनकर तैयार होता है, तो ये हिंदी सिनेमा में ऋतिक के लिए एक रिकॉर्ड तोड़ कोशिश साबित होगी। इससे पहले साल 2017 में दोनों एक प्रोजेक्ट पर काम करने वाले थे। लेकिन कुछ वजहों से ये प्रोजेक्ट शुरू ही नहीं हो पाया था। लेकिन अब दोनों आखिर हाथ मिला रहे हैं।

'देवरा पार्ट 1' में होगा जूनियर NTR और जाह्नवी कपूर का रोमांटिक सॉन्ग

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और बॉलीवुड की हसीना जाह्नवी कपूर की एक्शन ड्रामा फिल्म 'देवरा पार्ट 1' का एक रोमांटिक गाना शूट होने जा रहा है। फिल्म 'देवरा पार्ट 1' से जाह्नवी कपूर साउथ सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। इधर, जूनियर एनटीआर को पिछली बार साल 2022 में फिल्म 'आरआरआर' में देखा गया था। ऐसे में फैंस को जूनियर एनटीआर की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जूनियर एनटीआर हाल ही में गोवा से फिल्म की शूटिंग निपटाकर घर पहुंचे थे। गोवा में जूनियर एनटीआर ने एक एक्शन सीक्वेंस शूट किया था।

इसमें जूनियर एनटीआर के साथ सैफ अली खान भी थे। वहीं, फिल्म के सिनेमैटोग्राफर रत्नावेलू ने अपने एक्स पोस्ट में गोवा शेड्यूल पूरा होने की जानकारी दी थी और साथ ही बताया था कि फिल्म का एक रोमांटिक गाना थाईलैंड में शूट होने जा रहा है। यह रोमांटिक गाना जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर के साथ फिल्माया जाना है। बता दें, 'देवरा पार्ट 1' को कोरातला शिवा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म पहले 10 अक्टूबर 2024 को रिलीज होने जा रही थी और अब फिल्म 27 सितंबर 2024 को रिलीज होगी।

67.69 करोड़ बकाया रकम अदा न करने पर 5 बिल्डर्स के कार्यालय सील

रकम अदा न करने पर गिरफ्तारी भी होगी : एसडीएम

नोएडा (चेतना मंच)। जिला प्रशासन की राजस्व टीम ने उत्तर प्रदेश भूसंपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) के रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) का 67.69 करोड़ रुपये बकाया पैसा जमा नहीं करने वाले पांच बिल्डरों के कार्यालय को सील कर दिया है। जिनके कार्यालय सील किए गए हैं उनमें ग्रीनवे व ओरिस इंफ्रास्ट्रक्चर, इम्पीरिया स्ट्रक्चर्स, सॉलिटेयर रियल इंफ्रा, सिक्सा इंफ्रास्ट्रक्चर और सनवर्ड सिटी बिल्डर शामिल हैं। इन पर यूपी रेरा की आरसी का 67.69 करोड़ रुपये बकाया है।

गौतमबुद्धनगर के उप जिलाधिकारी चारुल यादव ने बताया कि यूपी रेरा के आदेशों के तहत बिल्डर खरीदारों का पैसा नहीं लौटा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा कुछ अन्य मामलों में आदेश का पालन नहीं करने पर भी यूपी रेरा बिल्डर के खिलाफ आरसी जारी कर रहा है। इसके बाद प्रशासन की राजस्व टीम वसूली कर रही है, लेकिन लोकसभा चुनाव के कारण आरसी पर वसूली नहीं हो पा रही थी। अब राजस्व टीमों ने वसूली शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को सदर तहसील की टीम ने पांच बिल्डरों के कार्यालय को सील किया। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 22 डी स्थित सनवर्ल्ड सिटी के कार्यालय को सील किया गया है। बिल्डर पर यूपी रेरा की आरसी का 5.36 करोड़ रुपये बकाया है। वहीं, नोएडा सेक्टर-143बी स्थित सिक्का इंफ्रास्ट्रक्चर पर 25.50 करोड़, ग्रीनवे व ओरिस इंफ्रास्ट्रक्चर पर 22.67 करोड़, जेपी स्पोर्टस सिटी स्थित इम्पीरिया स्ट्रक्चर्स पर 11.16 करोड़ और सॉलिटेयर रियल इंफ्रा पर तीन करोड़ रुपये बकाया है। इन बिल्डरों ने बकाया जमा नहीं किया जिसकी वजह से उनके कार्यालय को सील किया गया है।

उन्होंने ने बताया कि अगर बिल्डर पैसा जमा नहीं कराते हैं तो उनकी संपत्ति की कुर्की करके नीलाम करने की कार्रवाई होगी। साथ ही, अन्य संपत्तियों को भी कुर्क किया जाएगा। अगर बिल्डर बकाया जमा नहीं कराएंगे तो वारंट जारी कर गिरफ्तार भी किया जा सकता है। पूर्व में भी इनमें से कई बिल्डर के कार्यालय सील हो चुके हैं।

यूपी रेरा की आरसी का करीब 300 करोड़ रुपये बिल्डरों पर बकाया है। सबसे अधिक बकायेदार दादरी तहसील के हैं। दादरी एसडीएम का कहना है कि बकायेदार बिल्डरों की सूची तैयारी की जा रही है। सूची तैयार होने के बाद बिल्डरों के खिलाफ वसूली की कार्रवाई तेज की जाएगी। अगर बिल्डर पैसा जमा नहीं करेंगे तो कार्यालय को सील किया जाएगा।

एसडीएम ने बताया कि यूपी रेरा की आरसी का पैसा जमा करने के संबंध में बिल्डरों को कई बार नोटिस जारी किया गया, लेकिन वे पैसा जमा नहीं कर रहे थे। ऐसे में उनके कार्यालयों को सील किया जा रहा है।

चारमूर्ति चौक से तिगड़ी रोटरी की सड़क जल्द होगी दुरुस्त

73 करोड़ से बिजली, निर्माण, उद्यान, जल-सीवर के 20 काम होंगे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। चारमूर्ति चौक से तिगड़ी रोटरी की सड़क पर दोनों तरफ री-सर्फेसिंग का काम जल्द शुरू होगा। इसके लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने टेंडर निकाल दिए हैं। टेंडर की प्रक्रिया लगभग एक माह में पूरा कर इस रोड को दुरुस्त कराने की तैयारी है। इसके साथ ही 19 अन्य कार्यों के लिए लगभग 73 करोड़ रुपये के प्राधिकरण ने टेंडर निकाल दिए हैं।

लोकसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता हटने के बाद से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने एक बार फिर विकास की रफ्तार पकड़ ली है। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने मेनटेनेंस व निर्माण कार्यों को तेज करने के निर्देश दिए हैं। परियोजना विभाग, उद्यान विभाग, विद्युत अभियांत्रिकी और जल-सीवर विभाग की तरफ से टेंडर निकाले गए हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक ओएसडी हिमांशु वर्मा ने बताया कि परियोजना विभाग ने 47 करोड़ रुपये में 12 कार्यों के टेंडर निकाले हैं, जिनमें चारमूर्ति चौक से तिगड़ी रोटरी की सड़क पर दोनों तरफ री-सर्फेसिंग के अलावा पाली में शिव मंदिर के पास पंचायत घर का अवशेष कार्य, नालों को कवर करने का कार्य, सेक्टर एक व ज्यू थ्री में नाले की सफाई के कार्य, पाली में छह फीसदी आवासीय भूखंडों को विकसित करने का कार्य आदि शामिल हैं। इसी तरह लगभग 6.85 करोड़ रुपये की लागत से कई गांवों में छह फीसदी आबादी भूखंडों में एलईडी लाइट लगाने आदि के कार्य कराए जाएंगे। जल-सीवर विभाग की तरफ से सेक्टर इकोटेक थ्री स्थित 20 एमएलडी एसटीपी का मेनटेनेंस व संचालन और गंगाजल परियोजना के जोनल रिजर्वायर के इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, इंस्ट्रूमेंटल व संबंधित सिविल कार्य तथा जीआईएस मैपिंग के कार्यों पर 17.51 करोड़ रुपये के टेंडर निकाले हैं। इसी तरह उद्यान विभाग ने गैलेक्सी वेगा सोसाइटी के पास 100 मीटर चौड़ी ग्रीन बेल्ट में ओपन जिम लगाने का कार्य, डीएससी रोड और एनएच-24 के सौंदर्यीकरण आदि कार्यों के लिए 1.49 करोड़ रुपये के टेंडर निकाले हैं। टेंडर प्रक्रिया को लगभग एक माह में पूरा कर काम शुरू कराने की तैयारी है।

कैंडल मार्च निकाला, ट्रेन हादसे में मृतकों को दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा सेक्टर 53 नोएडा में नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी के द्वारा पश्चिम बंगाल में हुए ट्रेन हादसे में जान गवाने वाले लोगों की शांति के लिए कैंडल मार्च निकल गया।

इस मौके पर महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, एआईसीसी के पूर्व सदस्य दिनेश अवाना, प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर, पूर्व अध्यक्ष नोएडा कांग्रेस शहाबुद्दीन, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश सदस्य यतेन्द्र शर्मा, उत्तर प्रदेश सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर पवन शर्मा, सुनील वशिष्ट, पूर्व महासचिव नोएडा महानगर दयाशंकर पांडे, पूर्व सचिव इंद्रजीत तिवारी, पीसीसी सदस्य चांद मोहम्मद,अरुण प्रधान, गोरव सिंघल, संजय यादव, नवल सिंह चौहान, सतीश कुमार, रोहित कुमार, आशीष चौहान, विवेक कुमार, राहुल कुमार, सतीश यादव, शाहिद, मोहम्मद वाहिद व अन्य कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

कर्नाटक में चोरी करने वाला बदमाश मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद (चेतना मंच)। थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाऐ जा रहे अभियान के अंतर्गत सै0- 2/5 की पुलिया वैशाली पर संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की संघन चेकिंग की जा रही थी तभी कुछ देर बाद एक संदिग्ध व्यक्ति इन्दिरापुरम की तरफ से मोटर साइकिल पर एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा रुकने का इशारा किया गया तो वह रुका नहीं बल्कि एलीवेटेड के नीचे यूपीगेट की तरफ जाने वाले कच्चे रास्ते की तरफ भागने लगा। पुलिस टीम द्वारा पीछा किया गया। संदिग्ध व्यक्ति द्वारा अपने आप को पुलिस टीम से घिरता देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया और भागने लगा। पुलिस टीम द्वारा की गई आत्मरक्षार्थ व जवाबी कार्यवाही में बदमाश के बायें पैर में गोली लगी। जिसको घायल अवस्था में गिरफ्तार कर उपचार हेतु अस्पताल भेज दिया गया है ।

गिरफ्तार अभियुक्त शिवम (28 वर्ष) ने बताया कि उसने जनपद बुलन्दशहर में चोरी व लूट की कई घटनाओं को अन्जाम दिया है तथा कुछ दिन पहले ही एक लूट की घटना बैंगलोर सिटी कर्नाटक में व उसके बाद एक दुकान में चोरी की घटना वैशाली गाजियाबाद में भी की है ।

जिला कारागार में योग अभ्यास कराया

आज विकास भवन व कलेक्ट्रेट परिसर में होगा योगाभ्यास

नोएडा (चेतना मंच)। सप्ताह के चतुर्थ दिन जिला कारागार व पीएसी सूरजपुर में आयुष विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, जिला कारागार, पीएसी के अधिकारियों व कर्मचारियों, योग संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा आम जनमानस की उपस्थिति में योगाभ्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ। योग प्रशिक्षकों द्वारा कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास कराया गया तथा संवाद के माध्यम से योग से होने वाले लाभों से परिचित भी कराया।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी गौतम बुद्ध नगर डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार केम ने बताया कि 19 जून यानी आज प्रात: 6:00 बजे से 7:00 तक विकास भवन एवं कलेक्ट्रेट परिसर सूरजपुर में भी योग सप्ताह के तहत योगाभ्यास कराया जाएगा। आयुष मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में 'योग स्वयं और समाज के लिए' थीम पर आधारित दशम् अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 के उपलक्ष में 15 जून से 20 जून 2024 तक योग सप्ताह मनाया जा रहा है।

इसी श्रृंखला में आज योग

श्रीकृष्ण योगधाम ट्रस्ट शिवशक्ति धाम लगाएगा 500 पौधा

गाजियाबाद (चेतना मंच)। मानसून शुरु होने वाला है। शासन स्तर से मानसून के दौरान पौधारोपण की तैयारियां की जा रही हैं। श्रीकृष्ण योगधाम ट्रस्ट शिव शक्ति धाम डासना की ओर से इस मानसून में आश्रम में 500 पौधे लगाने का निर्णय लिया गया है।

शिव शक्ति धाम डासना की संस्था श्रीकृष्ण योगधाम ट्रस्ट के महामंत्री छोटे नरसिंहानंद अनिल यादव ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से पौधे लगाने से लेकर उनकी सिंचाई और संरक्षण की पूरी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि देश भर में और विशेष रूप से गाजियाबाद में हरियाली बेहद तेजी से कम हो रही है। वन और खेत खत्म हो रहे हैं, जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। इससे ज्यादा गर्मी पड़ने के साथ ही भूजल की स्थिति भी खराब होती जा रही है। लोगों को ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। एक घर में जितने लोग हों कम से कम उतने पौधे लगाएं और उन्हें संरक्षित भी करें।

उन्होंने कहा कि आश्रम से इस अभियान को करके पूरे गाजियाबाद और एनसीआर में चलाया जाएगा। ट्रस्ट का प्रयास रहेगा कि गाजियाबाद और एनसीआर में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित भी किया जाए। पेड़ों की अधिकता से ही प्रदूषण और तेज गर्मी से निजात मिल सकती है।

निर्जला एकादशी पर लगाई मीठे पानी की छबील

नोएडा (चेतना मंच)। निर्जला एकादशी के अवसर पर मंगलवार को ठंडे मीठे पानी की छबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाई गई। इस अवसर पर आयोजक संजय काटारुका ने बताया की भीषण गर्मी में जल की सेवा पुण्य का कार्य है।

गर्मी को देखते हुए आज ठंडे पानी की छबील लगाई गयी है। विशेष सहयोगी आरडब्लूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने कहा कि हमें गर्मी के मौसम में अपने घरों की छतों पर भी पक्षियों के लिए पानी व उनके भोजन का प्रबंध करना चाहिए।

इस मौके पर आरडब्लूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा, राजेश पांडे, आधविक शर्मा, विनोद कुमार, नीतू पांडेय, संगीता सिंह, शर्मिला शर्मा आदि ने छबील में अपनी सेवांए दी।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

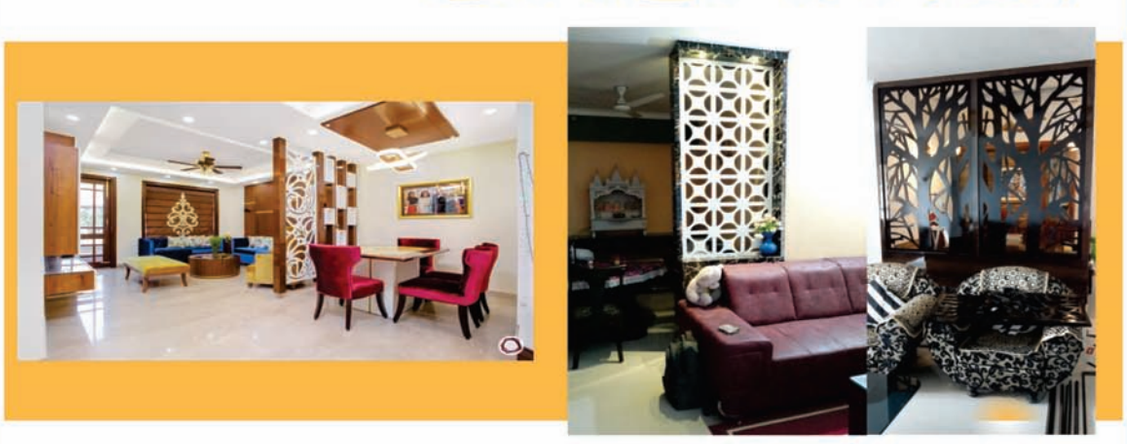

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com